04 - गृहणी : समाज की जिम्मेदारी और धरोहर

05 - आत्मा पर दस्तक देते गांधी विचार

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 30 जनवरी, 2025

06 - आयु सीमा पूर्ण करने के कारण अपात्र हुई महिलाएं, 364 महिलाओं की हो...

07 - प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और जापान के बीच...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 120, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

दिल्ली विस चुनाव: दलित वोटरों के हाथ में है सत्ता की चॉबी

अंशुल सिंह

दिसंबर के आखिर में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सेंट्रल दिल्ली में मौजूद वाल्मीकि मंदिर पहुंचे। मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना की और नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अपने प्रचार अभियान की शुरुआत की।

केजरीवाल नई दिल्ली सीट पर चौथी बार चुनावी चुनौती का सामना कर रहे हैं। वाल्मीकि मंदिर इसी नई दिल्ली विधानसभा सीट के अंतर्गत आता है। हर बार नामांकन से पहले केजरीवाल इस मंदिर में जाते हैं।

इसी वाल्मीकि बस्ती में अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के दूसरे नेताओं के साथ साल 2013 में झाड़ू लगाकर अपने चुनाव चिह्न को लॉन्च किया था। 2013 के चुनाव में दलित मतदाताओं ने नई बनी आम आदमी पार्टी का साथ दिया। इस चुनाव में 12 आरक्षित सीटों में से नौ सीट आप ने जीतीं। पिछले दो चुनावों में आप ने सभी बारह सीटों पर क्लीन स्वीप किया। 1993 से लेकर 2020 तक सात विधानसभा चुनाव में दलितों के लिए रिज़र्व सीटों पर जिसने बढ़त हासिल की, उसकी सरकार बनी।

राजधानी दिल्ली में 600 से ज़्यादा झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनी और 1700 से ज़्यादा कच्ची कॉलोनी हैं। इनमें दलितों की एक बड़ी आबादी रहती है। इन झुग्गियों को लेकर अक्सर बीजेपी और आम आदमी पार्टी आमने-सामने आ जाते हैं। आप बीजेपी पर झुग्गी-बस्ती तोड़ने का आरोप लगाती है और बीजेपी 'जहां झुग्गी वहीं मकान' के नारे से इस आरोप का काउंटर करती है।

आंबेडकर बस्ती से कुछ दूरी पर सदर बाज़ार विधानसभा में आने वाली दया बस्ती है। यहां दाखिल होते ही आंबेडकर की मूर्ति, सड़क पर गंदगी और घरों पर बहुजन समाज पार्टी के झंडे दिखाई देते हैं। इस बस्ती में जाटव समाज के लोगों की संख्या अधिक है।

दिल्ली में दलितों की लीडरशिप के सवाल पर रमेश कुमार कहते हैं, 'दिल्ली में कोई बड़ा दलित नेता नहीं है। हमें दबा दिया जाता है। दलित की कोई ज़िंदगी नहीं है साहब। ये तो बस जी रहा है।' साल 1993 के चुनाव में 70 में से 13 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थीं। भारतीय जनता पार्टी ने 13 में आठ सीट जीतीं और सरकार बनाई। अगले चुनाव यानी 1998 में इन सीटों पर कांग्रेस ने बढ़त बनाई। कांग्रेस ने 12 आरक्षित सीट जीतकर दिल्ली में सरकार बनाई। अगले 15 सालों तक दिल्ली में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार चली। इस दौरान कांग्रेस ने 2003 में 10 और 2008 में नौ आरक्षित सीट जीतीं। हालांकि, 2008 में परिसीमन के बाद रिज़र्व सीटों की संख्या 13 से घटाकर 12 कर दी गई थी 2013 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने नौ आरक्षित सीट जीतीं और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई। फिर 2015 और 2020 में आप ने सभी बारह रिज़र्व सीट जीतीं। 12 आरक्षित सीटों के अलावा 18 ऐसी सीटें हैं, जहां दलित मतदाताओं की अच्छी-ख़ासी आबादी है।

2011 की जनगणना के मुताबिक़, दिल्ली में लगभग 17 फ़ीसद दलित आबादी है। इस में दलितों की कुल 36 जातियां हैं। इनमें जाटव, वाल्मीकि, धोबी, रैगर, खटीक, कोली और बैरवा प्रमुख हैं। आबादी के हिसाब से जाटव सबसे बड़ी और उसके बाद वाल्मीकि बड़ी जाति है।

दलित दिल्ली की आबादी और राजनीति दोनों में अपना प्रभाव रखते हैं। लेकिन क्या उनका प्रतिनिधित्व भी इसी हिसाब से है? 20 फ़ीसद दलित आबादी वाले उत्तर प्रदेश में मायावती चार बार मुख्यमंत्री बन चुकी हैं लेकिन 17 फ़ीसद दलित आबादी वाले दिल्ली को अब तक कोई दलित मुख्यमंत्री नहीं मिला है।

2008 में बहुजन समाज पार्टी ने दिल्ली में 14 प्रतिशत वोट हासिल किए थे और दो सीट (बदरपुर और गोकलपुर) जीती थीं। गोकलपुर आरक्षित सीट है। यह वह दौर था जब मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं और लोकसभा में बीएसपी के 19 सांसद थे। 2008 के बाद से पार्टी के प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। 2020 के चुनाव में बीएसपी को एक फ़ीसद से भी कम 0.71 प्रतिशत वोट मिले थे।

नेशनल कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ दलित ऑर्गेनाइज़ेशन (नैकडोर) के चेयरमैन अशोक भारती कहते हैं, 'महंगाई और बेरोज़गारी दलित मतदाताओं के लिए सबसे बड़े मुद्दे हैं।' केजरीवाल की मुफ़्त वाली योजनाएं महंगाई में राहत देती हैं लेकिन स्थाई समाधान नहीं दे पातीं। उनका मानना है कि अगर उम्मीदवार मज़बूत है तो कांग्रेस को दलितों का साथ मिल सकता है।

साल 2022 में अक्टूबर का महीना दिल्ली में दलित राजनीति के लिए निर्णायक था। तब आप सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने एक कार्यक्रम में बौद्ध धर्म से जुड़ीं प्रतिज्ञाएं दोहराई थीं। कथित तौर पर इनमें 'हिंदू देवी-देवताओं की पूजा न करने' की शपथ शामिल थी। बीजेपी ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया गया है। कुछ दिन बाद गौतम ने आम आदमी पार्टी भी छोड़ दी थी। इसके बाद अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले राज कुमार आनंद को उनकी जगह मंत्री बनाया गया। डेढ़ साल के भीतर राज कुमार आनंद ने भी मंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया। अब राज कुमार आनंद पटेल नगर सीट से बीजेपी के उम्मीदवार हैं।

राजेंद्र पाल गौतम सवाल उठाते हैं कि केजरीवाल ने अब तक दिल्ली और पंजाब से 13 राज्यसभा सांसद भेजे हैं। इनमें एक भी दलित नहीं है। वर्तमान में दिल्ली कैबिनेट में मुकेश अहलावत दलित मंत्री हैं और सुल्तानपुर माजरा सीट से प्रत्याशी हैं। अरविंद केजरीवाल खुद आंबेडकर भक्त बताते हैं। आप का बड़ा दलित चेहरा राखी बिड़लान को इस बार मंगोलपुरी की जगह मादीपुर से टिकट दिया गया है।

बीजेपी पिछले दो चुनाव में 12 में से एक भी आरक्षित सीट नहीं जीत पाई है। दिसंबर से पार्टी दलितों के प्रभाव वाली सीटों पर 'अनुसूचित जाति स्वाभिमान सम्मेलन' कर रही है। रिज़र्व सीटें 12 हैं लेकिन बीजेपी वाले एनडीए गठबंधन ने 14 दलित उम्मीदवार उतारे हैं। पार्टी ने दो सामान्य सीटों पर दलित नेताओं को टिकट दिया है। बीजेपी ने दीप्ति इंदौरा को मटिया महल और कमल बागड़ी को बल्लीमारान से चुनावी मैदान में उतारा है। एक सुरक्षित सीट देवली लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के हिस्से आई है।

बीजेपी के घोषणापत्र में दलितों के लिए अलग से 1 हजार रू. महीना स्कॉलरशिप देने का वादा किया गया है। कांग्रेस ने 13 दलित उम्मीदवारों को टिकट दिया है। कांग्रेस के कार्यक्रमों में मंच पर आंबेडकर की तस्वीर प्रमुखता से दिखाई दे रही है।

दिसंबर में अरविंद केजरीवाल ने दलित छात्रों के लिए आंबेडकर स्कॉलरशिप की घोषणा की थी। इस स्कॉलरशिप के तहत विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र का पूरा ख़र्च दिल्ली सरकार उठाएगी। साथ ही दिल्ली में धोबी समुदाय कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

महाकुंभ संगम तट पर 'गम' की सुबह

मौनी अमावस्या पर भगदड़, 35 से 40 की मौत

● यूपी सरकार ने 30 मानी, करीब 20 शव परिजन को सौंपे गए ● प्रयागराज में अभी भी 9 करोड़ लोग, राहुल बोले-बदइंतजामी से हुआ हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर भगदड़ में मरने वालों की संख्या 35 से 40 है। सरकार ने 17 घंटे बाद महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत की पुष्टि की। शाम 6.30 बजे मेला अधिकारी विजय किरण आनंद और डीआईजी वैभव कृष्णा ने 3 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। डीआईजी वैभव कृष्णा ने कहा- भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई। जबकि 60 घायल हैं। 25 शवों की पहचान कर ली गई है।

महिलाएं नीचे गिरीं, भीड़ कुचलती चली गई

प्रयागराज महाकुंभ में मंगलवार देर रात भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले हुए इस हादसे में 40 लोगों की जान चली गई। वहीं 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। भगदड़ की शुरुआत हुई तो कुछ महिलाएं जमीन पर गईं। लोग उन्हें कुचलते हुए निकल गए। जब भीड़ हटी तो लोग लाशों के बीच अपनों को तलाशते रहे। चारों ओर रोने-चीखने की आवाजें आ रही थीं।

महाकुंभ भगदड़ में छतरपुर की महिला की मौत, बेटी घायल

● ग्वालियर के भितरवार के दंपत्ति लापता, एमपी के श्रद्धालुओं को यूपी बॉर्डर पर रोका

भोपाल (नप्र)। प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर मंगलवार-बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे भगदड़ मच गई। इसमें 35-40 लोगों की मौत हो चुकी है। 70 से ज्यादा लोग घायल हैं।

मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मृतकों में मध्यप्रदेश के छतरपुर की महिला हुकुम लोधी (45) शामिल है। उसकी बेटी दीपा लोधी (19) घायल है। दोनों 27 जनवरी को प्रयागराज गई थीं। इसके अलावा भितरवार के हरि साहू और उनकी पत्नी शकुंतला साहू लापता हैं। कुंभ में भीड़ और न बढ़े, इसलिए उत्तर प्रदेश बॉर्डर से सटे जिलों में श्रद्धालुओं को रोक दिया गया है। प्रयागराज से करीब 250 किलोमीटर दूर ही वाहनों का प्रवेश दो दिन के लिए बंद कर दिया गया है। एमपी के श्रद्धालुओं को रीवा जिले के चाकघाट के पास रोका गया है।

चाकघाट से झिरिया टोल प्लाजा तक करीब 25 किलोमीटर लंबा जाम लगा - रीवा एसडीओपी उदित मिश्रा ने बताया- अभी सिर्फ रीवा की तरफ जाने वाला ट्रैफिक क्लियर है। प्रयागराज साइड जाने वाले वाहन रोके गए हैं। झिरिया टोल प्लाजा, चाकघाट से यूपी बॉर्डर तक वाहनों की कतार लगी है। करीब 25 किलोमीटर तक जाम है।

केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर कराएगी हरियाणा सरकार

सोनीपत कोर्ट में देगी एप्लिकेशन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हरियाणा सरकार एफआईआर दर्ज कराएगी। हरियाण के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने इसकी पुष्टि की है। विपुल गोयल का कहना है कि अरविंद

केजरीवाल ने राजनीति गर्माने के लिए यमुना में जहर मिलाने का जो आरोप लगाया है उसको लेकर सरकार उन पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। सोनीपत में चीफ ज्यूडिशियल कोर्ट की कोर्ट में डिजास्टर मैनेजमेंट की धारा 2ए ,154 के तहत मामला दर्ज करवाया जाएगा। गोयल ने कहा, केजरीवाल ने हरियाणा और दिल्ली की जनता में पैनिक फैलाने का काम किया है। गोयल ने कहा, आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि यमुना में हरियाणा सरकार ने जहर मिलाया है, जबकि प्रधानमंत्री भी कहते हैं कि वे यमुना का पानी पीते हैं।

सुप्रभात

पीड़ा का वरदान मिला

तब जाकर कुछ ज्ञान मिला
खुद को खोया तो उसके
होने का इम्कान मिला
जीवन के इस जादू से
हर कोई हैरान मिला
सज्जन को इस दुनिया में
पग पग पर व्यवधान मिला
पी कर मुस्काये केवल
जब हम को विषपान मिला
शैतानों की दुनिया में
झूमता इक भगवान मिला
क्या तुम इसके लायक़ हो
पूनम जितना मान मिला।

- डॉ.पूनम यादव

मध्यप्रदेश, मेडिकल और फार्मास्यूटिकल मेन्यूफेक्चरिंग का नया हब बनेगा : मुख्यमंत्री

उज्जैन में मेडिकल पार्क में निवेश के लिये किया आमंत्रित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान दौरे के दूसरे दिन टोक्यो में एएनडी मेडिकल कम्पनी के निदेशक श्री डाइकी अराई से मुलाकात कर मध्यप्रदेश में चिकित्सा उपकरण निर्माण के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विकसित किये जा रहे 75 एकड़ के मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल पार्क को वैश्विक निवेशकों के लिये एक बेस्ट डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल मेन्यूफेक्चरिंग के क्षेत्र में नये हब के रूप में विकसित हो रहा है।

टोक्यो मेडिकल डिवाइस निर्माताओं से हुई बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक इकाईयों को रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पार्क को भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थ केयर और मेडिकल डिवाइस सेक्टर का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बताया। यहाँ उन्नत बुनियादी सुविधाएँ, राज्य सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन योजनाएं निवेशकों के लिये विशेष अवसर उपलब्ध है।

जापान दौरे का दूसरा दिन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जापान के विदेश उप मंत्री श्री मत्सुमोतो से की भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जापान दौरे के दूसरे दिन जापान के विदेश मंत्रालय के संसदीय उप मंत्री श्री हिसाशी मत्सुमोतो ने मुलाकात की। यह बैठक भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों को और सशक्त बनाने मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने और मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिये उपलब्ध अवसरों की जानकारी देने पर केंद्रित रही।

मध्यप्रदेश-जापान सहयोग को सशक्त करने पर हुई चर्चा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत और जापान के बढ़ते सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जापान का भारत विशेष रूप से मध्यप्रदेश में किये जाने वाला निवेश, रणनीतिक दृष्टिकोण से बहुत अहम है। उन्होंने चर्चा में जापान के विदेश मंत्रालय के उप मंत्री श्री मत्सुमोतो से आगे भी इस दिशा में और गति कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में जापानी निवेशकों के लिए बहुत अच्छे अवसर हैं, खासकर शहरी परिवहन, जल प्रबंधन और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में निवेश की अपार संभावनाएं है। मध्यप्रदेश में मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, कुशल मानव संसाधन और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है, जो विदेशी निवेशकों के लिए लाभकारी हो सकता है।

दिल्ली कह रही है कि आप-दा की लूट और झूठ नहीं चलेगा

● पीएम मोदी ने कहा-दिल्ली के पूर्व सीएम ने हरियाणा पर बेहद घिनौने आरोप लगाए हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी बुधवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली पहुंचे। पीएम ने करतार नगर में 50 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने शिक्षा घोटाला, शराब घोटाला, शीशमहल का जिक्र किया। साथ ही यमुना में जहर मिलाने के केजरीवाल के आरोपों का भी जवाब दिया। पीएम ने कहा- दिल्ली के एक पूर्व सीएम ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगाए। क्या हरियाणा के लोग अपने बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं क्या। हरियाणा का भेजा यही पानी दिल्ली में रहने वाले हमारे सारे जज, जस्टिस, सम्मानित सदस्य पीते हैं। आपका प्रधानमंत्री भी यही पानी पीता है।

आप-दा वालों की लुटिया यमुना जी में डूबेगी

देशवासियों पर ऐसा झूठा आरोप लगाते हैं। कुछ भी बोलते हैं। ऐसी ओछी राजनीति करने वालों को दिल्ली की जनता सबक सिखाएगी। आप-दा वालों की लुटिया यमुना जी में डूबेगी। साथियों, आप-दा वालों की नियत ही काम करने की नहीं है। पिछले 5 साल में दिल्ली विधानसभा सिर्फ 70-75 दिन चली। ये विधानसभा के इतिहास का सबसे कम कामकाज रहा। भारतीय गणतंत्र के 75 साल पूरे होने का जोश पूरे देश को है। लेकिन हमें नहीं भूलना है कि इन लोगों ने भारतीय सेना पर सवाल उठाए थे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार,30 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

महाकुंभ में अमृत स्नान, नागा साधुओं ने लहराई तलवार

● अवधेशानंद-कैलाशानंद रथ पर निकले,श्रद्धालुओं ने पैरों की धूल बटोरी; हेलीकॉप्टर से बरसाए गए फूल

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर दूसरा अमृत स्नान जारी है। साधु-संत छोटे-छोटे ग्रुप में अपने ईष्टदेव के साथ सांकेतिक रूप से संगम स्नान कर रहे हैं। जूना अखाड़े के नागा साधुओं ने तलवार लहराई। जयकारे लगाते हुए संगम घाट पहुंचे हैं। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि महाराज ने संगम में अमृत स्नान किया। रास्ते में सीआरपीएफ और पुलिस के जवान तैनात हैं। हेलीकॉप्टर से संतों और श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई।

इससे पहले तड़के अखाड़ों के साधु-संत अमृत स्नान के लिए निकले थे। इस बीच, भगदड़ के बाद संगम पर हालात बेकाबू हो गए। प्रशासन ने तुरंत अखाड़ों से अपील की- स्नान के लिए न जाएं। साधु-संतों ने बैठक की। पहले तय हुआ कि अखाड़ों के साधु-संत मौनी अमावस्या पर स्नान नहीं करेंगे। हालात पर 3 घंटे में काबू पा लिया गया। सीएम ने अखाड़ों से बात की। संत अमृत स्नान के लिए राजी हो गए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया, हम अपने देवता के साथ सांकेतिक अमृत स्नान करेंगे। कोई बड़ा जुलूस नहीं निकालेंगे। भाजपा सांसद हेमा मालिनी, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर स्नान कर चुके हैं। दोपहर 12 बजे तक 4.24 करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ मेले में इस समय करीब 10 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद हैं।

● नीट पीजी पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

डोमिसाइल कोटा खत्म, जज बोले-ये संविधान के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पीजी की तैयारी कर रहे कैंडीडेट्स के लिए बड़ी खबर आई है। कुछ लोगों के लिए ये बुरी हो सकती है और कुछ के लिए अच्छी। दरअसल, पीजी मेडिकल एडमीशन में रिजर्वेशन के नियम पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। बुधवार, 29 जनवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मेडिकल के पीजी कोर्सेस में डोमिसाइल के आधार पर प्रवेश दिया जाना गलत है। ये भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता

है। मामले की सुनवाई कर रही तीन जजों की बेंच ने कहा, हम सभी भारत के डोमिसाइल (निवासी) हैं। अलग से स्टेट डोमिसाइल जैसा कुछ नहीं है। यहां केवल एक ही डोमिसाइल है। वो ये कि हम सभी भारत के निवासी हैं। हमारे पास देश में कहीं भी अपना आवास चुनने का अधिकार है। स्वतंत्र होकर अपना पेशा चुनने का अधिकार है। हमारा संविधान भी हमें भारत में कहीं भी किसी भी शिक्षण संस्थान में दाखिला लेने का अधिकार देता है। अब जब नीट पीजी पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है, तो नीट यूजी पर भी सवाल उठ रहे हैं। लेकिन शीर्ष अदालत ने कई जगह डोमिसाइल बेस्ड रिजर्वेशन को कुछ हद तक उचित ठहराया है।

अमेरिका ने चलाया डंडा तो भी मान नहीं रहा रूस

अब दोस्त भारत की लेने जा रहा परीक्षा, ट्रंप का भड़केगा गुस्सा!

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध को देखते हुए अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने जाते-जाते रूस के खिलाफ अपने प्रतिबंधों को और ज्यादा कड़ा कर दिया था। अमेरिका ने रूसी तेल के निर्यात पर कई नए प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे भारत के लिए बड़ी मुसीबत पैदा हो गई है। इसके बाद अब भी अब रूस ने कम से कम 5 तेल टैंकरों को तेल के साथ भारत के लिए रवाना किया है। रूस के ये अमेरिका की ओर से ब्लैकलिस्ट किए गए टैंकर भारत के लिए

संकट बन सकते हैं। भारत ने इससे पहले कहा था कि अगर कोई तेल 10 जनवरी के पहले जहाज पर लोड किया गया है तो उसे भारतीय बंदरगाह पर उतारने दिया जाएगा। रूस जो नया तेल टैंकर भेज रहा है, यह भारत के दिए गए छूट के अतिरिक्त है। बाइडन के अंतिम दिनों में अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने 10 जनवरी को रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का ऐलान किया था। रूस के सभी 5 तेल टैंकर इस दिन के बाद रवाना हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रूस के इस कदम से मास्को और नई दिल्ली दोनों की परीक्षा होगी।

नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को केंद्रीय कैबिनेट की हरी झंडी

गन्ना किसानों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए शनिवार 01 फरवरी को निर्मला सीतारमण बजट पेश करने वाली हैं। इससे पहले केंद्र की मोदी सरकार ने गन्ना किसानों के लिए एक बड़ा फैसला किया है और गन्ने से बनने वाले एथेनॉल की कीमत में इजाफे को स्वीकृति दी है। इसके अलावा केंद्रीय कैबिनेट ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले को लेकर बताया कि कैबिनेट ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के लिए 16300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके मिशन का मकसद देश में खनिज संपदा के सही इस्तेमाल के लिए ढांचा तैयार करना है। कैबिनेट मंत्री अश्विनी वैष्णव सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए बताया है कि सबसे बड़ा फैसला एथेनॉल ब्लेंडिंग से जुड़ा हुआ है। पेट्रोल में मिलाए जाने वाले एथेनॉल को जहां पहले सरकारी कंपनियां 56.58 रुपये प्रति लीटर में खरीदती थीं, अब कंपनियां यही एथेनॉल 57.97 प्रति लीटर में खरीदेंगी।

मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में ड्रेस कोड लागू

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर के मैनेजमेंट ने मंदिर में आने वालों के लिए ड्रेस कोड तय किया है। स्कर्ट या रिवीलिंग ड्रेस (खुले कपड़े) पहनकर आने वालों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। नया नियम अगले हफ्ते से लागू होगा। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने कहा, मंदिर आने वालों को सभ्य और शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने होंगे। ऐसा नहीं करने पर श्रद्धालुओं को प्रभादेवी एरिया में एंट्री की परमीशन नहीं होगी। ट्रस्ट ने कहा कि मंदिर में देशभर से हर रोज हजारों श्रद्धालु आते हैं। कई लोग कपड़ों को लेकर शिकायत करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि पूजास्थल में छोटे कपड़े पहनकर आना अपमानजनक है। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 1 जनवरी 2024 से ड्रेस कोड लागू किया गया था। मंदिर परिसर में पान-गुटखा खाने और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स यूज करने पर बैन लगा है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुताबिक हाफ पैंट, शॉर्ट्स, फटी जींस आदि नहीं चलेगी।

कोलकाता रेप-मर्डर

विक्टिम के पेरेंट्स ने दोबारा जांच की याचिका ली वापस

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-एक कोर्ट सजा सुना चुकी,आप एफिडेविट में बयानों पर सतर्क रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले की बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई से पहले विक्टिम के माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका वापस ले ली। 20 जनवरी को उन्होंने कहा था वे सीबीआई जांच से संतुष्ट नहीं हैं और नए सिरे से जांच चाहते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उनके वकील से पूछा कि कोर्ट इस मामले की सुनवाई करे या नहीं, क्योंकि इस मामले में हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पेरेंट्स के वकील को ये भी चेतावनी दी कि वे कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में दिए गए बयानों को लेकर सतर्क रहें, क्योंकि इस मामले में संजय रॉय को दोषी करार दे दिया गया है। कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति देने के साथ नई याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है। 20 जनवरी को सेशंस

कोर्ट ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था। कोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है, इसलिए फांसी की सजा नहीं दे सकते। सियालदह कोर्ट के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार हाईकोर्ट पहुंची है। सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कहा- संजय रॉय को उम्रकैद नहीं बल्कि फांसी की सजा होनी चाहिए। मुझे इस मामले में फंसाया गया है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया। एक अफसर इसमें शामिल है। मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता तो यह टूट जाती।

निकाय चुनाव में एमवीए के साथ लड़ेगी उद्धव की सेना

● यूबीटी के यू-टर्न के बाद कांग्रेस-शरद गुट ने दिखाए नखरे

मुंबई (एजेंसी)। निकाय चुनाव में गठबंधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के यू-टर्न के बाद कांग्रेस और एनसीपी ने अपने पत्ते खोले हैं। एनसीपी-एसपी ने जिलों में गठबंधन करने की फैसला कार्यकर्ताओं पर डालकर नहले पर दहला खेल दिया है। कांग्रेस ने शिवसेना को नसीहत दी है कि गठबंधन में सभी दलों को नफा-नुकसान मिलकर साझा करना पड़ता है। कांग्रेस ने इशारों में जता दिया है कि सिर्फ मुंबई के बाहर के जिलों में उद्धव सेना की सहूलियत के हिसाब गठबंधन संभव नहीं है। सोमवार को यूबीटी प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि पार्टी ने सिर्फ मुंबई में अकेले

चुनाव लड़ने का फैसला लिया था। महाविकास अघाड़ी के घटक दल साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहते हैं, जिससे शिवसेना (यूबीटी) भी सहमत है। एमवीए मुंबई के अलावा पूरे प्रदेश में एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में नगर निकाय चुनावों दौरान गठबंधन की बात की है। पहले पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि अकेले चुनाव लड़ने का उनका फैसला सिर्फ मुंबई के लिए था।

ग्वालियर के सिविल अस्पताल हजीरा के सशक्तिकरण के लिये आवश्यक व्यवस्थाएँ करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से ऊर्जा मंत्री तोमर ने की सौजन्य भेंट

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्वालियर के सिविल अस्पताल हजीरा के सशक्तिकरण और उन्नयन के लिये आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नियमानुसार समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ शीघ्र सुनिश्चित की जाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिविल अस्पताल हजीरा में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रोगी कल्याण समिति के दानदाताओं को समयबद्ध रूप से 80जी सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंत्रालय वल्लभ भवन में सौजन्य भेंट की।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ग्वालियर के सिविल अस्पताल हजीरा के उन्नयन से संबंधित विभिन्न विषयों के संबंध में अनुरोध किया। उन्होंने सिविल अस्पताल हजीरा में ट्रॉमा सेंटर, आईसीयू, कैथ लैब की स्थापना तथा अतिरिक्त चिकित्सकीय स्टॉफ की उपलब्धता का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को देखते हुए इन सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, एमडी एमपीपीएचएससीएल श्री मयंक अग्रवाल, संचालक प्रोजेक्ट एवं सीईओ आयुष्मान भारत डॉ. योगेश भरसट और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

00

बोरे से ढकी मिली लाश

नाले से बरामद किया गया शव; चोट के निशान, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा थाना इलाके में स्थित इंद्रा नगर झुग्गी बस्ती के करीब नाले से युवक की लाश मिली है। बॉडी एक बोरी से ढंकी हुई थी। शव पर चोटों के निशान भी हैं। पुलिस ने लाश को नाले से बाहर निकाल लिया है। शव पीएम के लिए मॉर्चुरी में भेजा जा रहा है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक बुधवार की दोपहर को नाले में लाश पड़े होने की सूचना मिली थी। बताया गया था कि शव बोरे में ढंका हुआ है। मौके पर पहुंचकर नगर निगम कर्मचारियों की मदद से शव को नाले से बाहर निकाला गया।

रहवासियों ने उसकी पहचान फहीम खान निवासी इंद्रा नगर झुग्गी के रूप में की है। बॉडी को पीएम के लिए रवाना किया जा रहा है, शॉर्ट पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बैनर्स से उर्दू ग़ायब, मंच से उर्दू का कलाम

मुशायरा

- जावेद आलम

इंदौर। बीते दो दशकों से गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या को होने वाले मुशायरे, कवि सम्मेलन में कई नए रचनाकार नज़र आए। सोशल मीडिया से जुड़े नाम मंच पर मौजूद थे। इनमें नौजवान हिंदीदां शायरों की तादाद ज़्यादा थी। सुनने वालों में भी युवा श्रोता ठीकठाक तादाद में थे, जबकि ट। बैनर्स पर उर्दू नदारद थी।

शहर की ऐतिहासिक धरोहर कृष्णपुरा की छतरियों पर पूर्व विधायक अश्विन

जोशी द्वारा आयोजित मुशायरा--कवि सम्मेलन परंपरानुसार चाय, पकोड़ों के साथ जारी रहा। विनीत आशना (चंदौसी) ने राहत इंदौरी के बारे में 'हम उसके शहर में हैं और वह शहर में नहीं' से शुरुआत की:

बोझ सांसों का मुबारक हो तुझे ऐ ज़िंदगी
हम से उठता भी नहीं, हम ने संभाला भी नहीं

जीआर वशिष्ठ के रुमानी अशआर खूब सुने गए:

गिनने के साथ अब तो यह भी देखते हैं हम
तारों में कौन-कौनसा तारा उदास है
किसी के जाने का दुख खा गया मेरी आवाज़
और उसको लगता है, मैंने उसे पुकारा नहीं

सतलज राहत ने जिस अंदाज़ में शे'र पढ़े, उसके अलावा लबो-लहजे ने उनके पिता राहत इंदौरी की याद ताज़ा कर दी:

सच्चाई ने थोड़ा-सा ग़ाफ़िल रक्खा
झूट तो हाथोहाथ पकड़ लेता था मैं
कौन ख़ुदा की बातें मुझ तक पहुंचाता
बंदों की तो बात पकड़ लेता था मैं

भोपाल से आईं अंबर आबिद के अपरंपरागत शब्दों से सजे शे'र पसंद किए गए:

तेरी मिस कॉल भी सामाने-सुकूने- दिल है
ये नहीं हो तो तेरा हिज्र मुसीबत हो जाए
जब भी देखो हो ऑनलाइन तुम
ख़ास रह कर भी आम रहते हो

परवीन कैफ़ ने अपने सुपरीचित अंदाज़ में लगातार शे'र सुनाए। उनके पहले ही शे'र पर दाद से छतें उड़ गईं:

हमें भी काश ऐसी चाय की दुकान मिल जाए
कि हम कुर्सी संभालें और हिंदुस्तान मिल जाए

इस सब के बीच मुल्क भर में धूम मचा रही बालमोहन पांडे की नज़्म 'ब्लाइंड फॉलोअर्स' ने खूब दाद पाई:

मैं आज तुम से मुख़ातिब हूं यूं कि डरता हूं
किसी के कहने पे तुम लोग ज़हर खा लोगे

विवेक चतुर्वेदी की कविताएं 'स्त्रियां घर लौटती हैं' और 'ताले' भी खूब पसंद की गईं।

मुशायरे में नौमान अली यह पैग़ाम दे गए:

हम हैं दरख़्त बाग़े-मुहब्बत के दोस्तो
जाएंगे क्यों कहीं पे यहां से उखड़ के हम

ग़ाज़ीआबाद की शायरा माधवी शंकर ने शिकायत की:

छुपाया कोई भी ग़म तो छलक गईं आंखें
ये दिल तो है मेरे बस में, मगर नहीं आंखें

शहर के नवयुवा शायर आदित्य ज़रख़ेज़ ने पढ़ा:

अब वो सबको भटका देगा
उसने रस्ता देख लिया है

सलीक़े से संचालन करते हुए धनंजय कौसर ने अपना यह शे'र आयोजक अश्विन जोशी को समर्पित किया:

जीते बिना ही जीतने वालों के दौर में
कुछ लोग हार जाते हैं, हारे बग़ैर भी

उन्होंने यह ज़िक्र भी किया कि इंदौर के उस्ताद शायर दिवंगत नसीर अंसारी के तीन शागिर्द नौमान अली, शादाब अहमद शादाब और वह ख़ुद इस मुशायरे में कलाम पढ़ रहे हैं। यहां इसका उल्लेख भी कर ही दिया जाए कि आगामी एक फ़रवरी को इंदौर में फिर एक बड़ा मुशायरा होने जा रहा है। अमूल्य मिश्रा, आदर्श राजपूत, सरफ़राज़ नूर, धीरज चौहान, शादाब अहमद शादाब ने भी कलाम पेश किया।

उर्दूदां श्रोताओं को यह बात खल गई कि मुशायरा एक तरह से हिंदिया गया कि सोशल मीडिया से आए नाम मंच पर नुमायां थे, जिनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे उर्दू लिपि जानते भी हों, गो शेर उन्होंने अच्छे पढ़े। इसके अलावा बैनर्स पर उर्दू का एक अक्षर भी नहीं था।

मध्यप्रदेश में मसाला उद्योग के बढ़ावे के लिए आयोजन

इंदौर में आज से 'ग्लोबल स्पाइस समिट'

इंदौर (नप्र)। अपनी विशिष्ट संस्कृति, व्यंजनों एवं अनूठे स्वाद के लिए मशहूर इंदौर में 30 और 31 जनवरी को दो दिन मसाले वालों का सम्मेलन होगा। देश भर के कोने कोने से आए मसाला व्यापारी और कारोबारी होटल शेरेटन ग्रांड पैलेस में वैश्विक मसाला शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। 'ग्लोबल स्पाइस समिट' के 12वें संस्करण में देश विदेश में विख्यात मसाला उत्पादक कंपनियां भाग लेगी। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि रहेंगे। 'ग्लोबल स्पाइस समिट' गत वर्ष राजस्थान की राजधानी पिंक सिटी जयपुर में आयोजित किया गया था। मसाला उद्योग की मांग पर इस बार इंदौर में आयोजन किया है। स्पाइस समिट में भारत से 300 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। समिट में उद्योग, थोक व्यापार, संबंधित सरकारी विभागों, प्रतिष्ठित

अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, व्यापार संघों और प्रौद्योगिकी पर आमंत्रित प्रतिष्ठित वक्ता विभिन्न विषयों पर अपने विचार और सुझाव रखेंगे। 30 एवं 31 जनवरी को शेरेटन ग्रैंड पैलेस होटल में शिखर सम्मेलन के साथ-साथ मसाला आधारित उत्पादों, सेवा प्रदाताओं और मशीनरी एवं उपकरण निर्माताओं की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है। 'ग्लोबल स्पाइस समिट' का आयोजन मसाला उद्योग और व्यापार से जुड़े निर्माताओं, पैकर्स, प्रोसेसर, व्यापारियों, निर्यातकों,आयातकों, वैज्ञानिकों, सलाहकारों, संबंधित मशीनरी निर्माताओं,सरकारी निकायों एवं अन्य संस्थाओं, शोध संस्थानों, बाजार और गुणवत्ता विशेषज्ञों, उद्यमियों आदि सभी हितधारकों को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि मसाला क्षेत्र के सतत विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों को साझा करने के साथ ही सुझावों का आदान-प्रदान किया जा सके और व्यापारिक सौदे भी किए जा सकें।

विशेष चर्चा सत्र होंगे आयोजित- शिखर सम्मेलन मसाला उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करने का एक सुनहरा अवसर भी है। मसाला शिखर सम्मेलन-2025 में विभिन्न ताजा और प्रासंगिक विषयों पर पैनल चर्चा होगी। विशेष कर विभिन्न मसालों की खेती और उत्पादन अनुमान, जीरा, धनिया, लाल मिर्च, हल्दी सहित विभिन्न मसालों की मांग-आपूर्ति और मूल्य परिदृश्य, भारतीय मसालों के लिए वैश्विक बाजार, प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग में तकनीकी नवाचार, मिलावट, गुणवत्ता एवं संदूषण संबंधी मुद्दे, उद्योग एवं व्यापार के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उनके समाधान आदि विषयों पर विशेष चर्चा सत्र आयोजित होंगे।

इंदौर में 14 लाख में खरीदा गाड़ी का खास नंबर

2024 में स्पेशल नंबरों की नीलामी 11 करोड़ में हुई थी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में वीआईपी नंबर खरीदने का शौक लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों में वीआईपी नंबर की दीवानगी इस तरह है कि 2024 में इंदौर आरटीओ से ही 11 करोड़ रुपए के वीआईपी नंबर नीलाम हुए हैं। इंदौर में सबसे ज्यादा महंगा 0001, 0009, 8888 और 9999 नंबरों की बिक्री हुई है। हांलाकि नए साल की शुरुआत वीआईपी नंबरों के लिए अच्छी नहीं रही। क्योंकि हाल ही में शुरू हुई आरटीओ की नीलामी में 0001 नंबर सिर्फ 20 हजार रुपए में ही बिका। इंदौर में कार प्रेमियों में सबसे ज्यादा खींचतान 0001 नंबर के लिए रहती है। अब तक सबसे महंगा (एमपी 09सीयू 0001) नंबर 2016 में 14.01 लाख रुपए में बिका है। यह प्रदेश का सबसे महंगा नीलाम होने वाला नंबर है। वहीं 0001 सीरीज का एक नंबर 12.50 लाख रुपए में भी नीलाम हुआ है।

ऐसे भी परिवार, जिनकी हर कार का नंबर खास

साल 2022 में एमपी 09 जेबी 0001 नंबर 4.06 लाख रुपए में नीलाम हुआ था। इंदौर में 0001 के साथ ही 2020 में एक बार (एमपी 09 सीयू 9999) नंबर 7 लाख रुपए में नीलाम हुआ था। इंदौर में कई ऐसे परिवार हैं जिनके घर में करोड़ों रुपए की कार हैं और वह अपनी हर कार के लिए स्पेशल नंबर ही खरीदते हैं।

इंदौर में कई परिवार ऐसे हैं, जिनके कार कलेक्शन में 1 लाख रुपए की फोर्ड फिएस्टा से लेकर 11 करोड़ की रॉल्स रॉयस घोस्ट एक्सटेंडेड तक शामिल है।

उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए ग्राहक पंचायत की मांग

इंदौर में फूड कंट्रोलर को सौंपा ज्ञापन, कहा- हर जिले में खाद्य जांच लैब हो

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। पंचायत ने आगामी बजट में उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए कई प्रमुख मांगें रखी हैं। ज्ञापन में कहा है कि बढ़ती जागरूकता के कारण उपभोक्ता आयोग में मामलों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अपर्याप्त स्टाफ और रिक्त पदों के कारण न्याय में देरी हो रही है। इसके साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के लिए पर्याप्त लैब नहीं होने से कार्रवाई प्रभावित हो रही है। पंचायत ने प्रमुख मांगों में स्वतंत्र ग्राहक मंत्रालय की स्थापना, प्रत्येक जिले में खाद्य जांच लैब की स्थापना और तब तक चलित प्रयोगशालाओं की व्यवस्था, उपभोक्ता आयोग में रिक्त पदों पर नियुक्तियां तथा इंदौर की तरह अन्य जिलों में भी उपभोक्ता मार्गदर्शन केंद्र की स्थापना शामिल है। कार्यक्रम में मालवा प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कौशल, ओकरलाल देवड़ा, पं. डीजी मिश्र सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी मनोज पंवार ने बताया कि ये सभी मांगें उपभोक्ताओं के हित में आवश्यक हैं और इन्हें आगामी बजट में शामिल किया जाना चाहिए।

अखिल भारतीय महापौर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता आज से

निरीक्षण करने पहुंचे महापौर बोले- पार्किंग और ब्रांडिंग को लेकर सुझाव दिए, देशभर से आएंगे पहलवान

इंदौर (नप्र)। छोटा नेहरू स्टेडियम में गुरुवार से अखिल भारतीय महापौर केसरी कुश्ती प्रतियोगिता शुरू होने जा रही है। इसके पहले बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव, महापौर केसरी कुश्ती अध्यक्ष व सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया सहित निगम अधिकारी तैयारियां देखने पहुंचे। महापौर ने पार्किंग और ब्रांडिंग को लेकर जरूरी सुझाव दिए है। इस प्रतियोगिता में देशभर से पहलवान यहां आएंगे। अधिकारियों, प्रतियोगिताओं की व्यवस्था देखने वालों के साथ महापौर ने पार्किंग से लेकर जहां कुश्ती होगी वहां तक की सभी व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही जहां कुछ बदलाव की जरूरत नजर आई, वहां भी बदलाव करने के लिए कहा। प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं को देखने के बाद महापौर ने कहा कि हर बार नया आयाम, नया रंग लेकर महापौर केसरी पहले शहर में, फिर प्रदेश में और अब देश में इंदौर का संदेश देने को तैयार है। कल से महापौर केसरी प्रतियोगिता की शुरुआत होने जा रही है। उसके पहले हमने छोटा नेहरू स्टेडियम का दौरा किया। प्रतियोगिता में इस बार देशभर से पहलवान आने वाले है। विशेषकर महिला कुश्ती को लेकर बहुत आकर्षण है। लगभग 8 से 10 राज्यों से महिला पहलवान भी यहां आने वाले है। छोटा नेहरू स्टेडियम हर बार कि तरह इस बार भी सजकर तैयार है। ओपन होने से देशभर के कई अच्छे खिलाड़ी अपना परफॉर्मेंस देने यहां आएंगे। सभी के सहयोग से तीसरी बार महापौर केसरी बड़े स्तर पर कल से शुरू होने जा रहा है। पार्किंग और ब्रांडिंग को लेकर सुझाव दिए गए है। आशा है कि सभी खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म करेंगे।

मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ाया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के चंदन नगर इलाके में बुधवार सुबह बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धार रोड पर एक ट्रक को पकड़ा, जिसमें ठूंसकर मवेशी भरे हुए थे। कार्यकर्ताओं को देखते ही ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद बजरंग दल के सदस्य ट्रक को थाने ले गए और पुलिस से कार्रवाई की मांग की।बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धार रोड पर एक ट्रक को पकड़ा, जिसमें ठूंसकर मवेशी भरे हुए थे। बजरंग दल के पदाधिकारी तनु शर्मा ने बताया कि उनके कार्यकर्ताओं को राजस्थान की ओर से आ रहे ट्रक में अवैध रूप से मवेशी ले जाए जाने की सूचना मिली थी। जब उन्होंने ट्रक रोकने की कोशिश की, तो चालक ने तेज गति से वाहन भगाने का प्रयास किया। बाद में ट्रक को रास्ते में छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया।

रेडियो निरीक्षक की हत्या करने वाला ऑटो ड्रायवर गिरफ्तार

शराब पीकर साथ निकले, रास्ते में किराए को लेकर हुआ था विवाद

इंदौर (नप्र)। इंदौर के खजराना में पिछले शुक्रवार को मिले एक अज्ञात व्यक्ति के शव और उसकी हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। उसने पैसों को लेकर व्यक्ति की पत्थर मारकर हत्या की थी। मृतक की पहचान पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल के इंस्पेक्टर प्रभात नारायण चतुर्वेदी के रूप में हुई। दरअसल, सोमवार को इंस्पेक्टर चतुर्वेदी के परिजनों ने विजयनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद मृतक अज्ञात व्यक्ति की पहचान कराई गई। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ऑटो रिक्शा ड्राइवर की तलाश में जुट गई। सोमवार देर शाम पुलिस ने आरोपी देवेंद्र बोरासी निवासी नंदानगर गली नंबर 10 को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पत्थरों से इंस्पेक्टर प्रभात नारायण चतुर्वेदी की हत्या करना कबूल की है। हत्याकांड के पहले दोनों ने परदेशीपुरा इलाके में साथ में शराब पी थी। जानकारी के मुताबिक,

पुलिसकर्मी प्रभात नारायण चतुर्वेदी की मां की पन्ना में मौत हो गई थी। उनकी पत्नी पहले ही पन्ना के लिए निकल चुकी थीं। प्रभात नारायण ने देर रात घर से 50 हजार रुपए लिए। फिर अकेले ही ऑटो में बैठकर निकले थे। पहले स्कीम-74 में अपने निर्माणाधीन मकान पर गए। वहां से रिक्शा चालक को बेटे के होटल चलने का बोला। लेकिन वह उन्हें बायपास ले गया। यहां रिक्शा चालक ने नशा किया। जिसके बाद रास्ते में दोनों के बीच रूपए को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान ही आरोपी देवेंद्र ने नारायण को मौत के घाट उतार दिया। और मौके से भाग गया। पुलिस ने मामले में लगातार ऑटो नंबर के आधार पर सीसीटीवी फुटेज तलाशे। जिसके बाद देवेंद्र की पहचान हुई।

200 से ज्यादा कैमरे खंगाले

पुलिस ने हत्याकांड को लेकर करीब 200 से ज्यादा कैमरों के फुटेज खंगाले थे। जिसमें बायपास से लेकर रिंगरोड और विजयनगर इलाके तक होते हुए पुलिस देवेन्द्र के घर के पास नंदानगर नगर गली नंबर 10 तक पहुंची। इसके बाद देवेन्द्र की जानकारी सामने आई। पुलिस को उसका ऑटो दिख गया। लेकिन वह घर पर नही मिला। इससे हत्याकांड में संदिग्ध को लेकर शंका पुख्ता हो गई।

पंधाना भागा, इंदौर आते ही पकड़ाया

पुलिस को पता चला कि देवेन्द्र पंधाना का रहने वाला है। वह हत्याकांड को अजांम देने के बाद पंधाना अपने गांव भाग गया। बाद में वह इंदौर पहुंचा तो पुलिस ने उसे मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया। वह भी शराब पीने का आदि है। देवेन्द्र ने कबूला है कि वह इंस्पेक्टर को पहले से नही जानता था। देवेन्द्र के परिवार में उसकी मां है। दोनों एक घर में किराए से रहते हैं। बताया जाता है कि शादी नही होने के चलते वह डिप्रेशन में रहता था। इसलिए ज्यादा शराब पीने का आदि हो गया। हत्याकांड के दिन ज्यादा किराया देने को लेकर दोनों के बीच में विवाद हुआ।

शादी का झांसा देकर महिला से रेप

दोस्ती, धोखा और धमकी, पति से तलाक कराया, फिर खुद भी मुकरा

इंदौर (नप्र)। इंदौर की आजाद नगर पुलिस ने एक शादीशुदा महिला से रेप करने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ने पहले महिला से दोस्ती की। फिर उसके साथ रेप किया। आरोपी ने पति से महिला का तलाक भी करा दिया। लेकिन शादी नही की। पुलिस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है। आजाद नगर पुलिस ने 25 साल की महिला की शिकायत पर अनुराग चौहान पर रेप का केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि वह निजी कंपनी में काम करती है। पहले वह अपने पति ओर बेटी के साथ किराये से इलाके में रहती थी। यहां नजदीक ही अनुराग रहता था। पति आए दिन विवाद कर मारपीट करता।अनुराग को यह बात पता थी। एक दिन उसने कहा कि वह उसके पति के बारे में जानता है। वह अच्छा व्यवहार नहीं करता। इसके बाद उसने दोस्ती की और कहा कि पति से तलाक दिलवाकर खुद शादी कर लेगा। पीड़िता उसकी बातों में आ गई। 6 फरवरी 2022 को जब घर पर कोई नही था। इस दौरान अनुराग आया ओर रेप किया।बाद में आरोपी शादी की बात करते हुए कई होटलों में ले जाकर गलत काम करता रहा।अनुराग के कहने पर पीड़िता ने पति को लेकर कोर्ट में तलाक का आवेदन लगा दिया। जिसमें 21 सिंतबर 2024 को तलाक हो गया। इसके बाद अनुराग से शादी करने का कहा तो उसने कुछ दिन बाद शादी की बात कही। बाद में आरोपी अपने वादे से मुकर गया। कुछ दिन पहले अनुराग ने जान से मारने की धमकी दी और मिलना बंद कर दिया। पीड़िता ने मामले में केस दर्ज कराया है।

छात्रा से किया रेप

भंवरकुआ पुलिस ने भी एक छात्रा से रेप के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक छात्रा निजी कॉलेज से टेक्नीशियन की पढ़ाई कर रही है। उसकी पहचान मार्च 2023 में इंस्टाग्राम पर अनिल बघेल निवासी अभिनव नगर से हुई। अनिल ने पहचान बढ़ाने के साथ अप्रैल 2023 में रेप किया। इसके बाद अक्टूबर में अनिल से बात बंद कर दी। तीन माह पहले अनिल कॉल करता तो उठाती नहीं। 25 जनवरी को आरोपी ने कॉल कर हत्या की धमकी दी। तब डर के चलते सहेली के यहां चली गई। अगले दिन तीन ईमली बस स्टेंड से अनिल ने रोका ओर अपने साथ रूम पर ले गया और रेप किया, बाद में उसने मारपीट की।

निगम मुख्यालय पहुंचे महापौर

बेवजह चल रहे लाइट-पंखे बंद किए, कहा- हम बिजली बचाएंगे तो शहर सीखेगा

इंदौर (नप्र)। नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को नगर निगम मुख्यालय के विभिन्न विभागों का दौरा किया। शहर की स्वच्छता में

सफलता के बाद अब महापौर ने ऊर्जा साक्षरता की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। ऊर्जा स्वराज मिशन के तहत नगर निगम ने शहर को ऊर्जा साक्षर सिटी बनाने का संकल्प लिया है। महापौर ने इसे सिर्फ भाषणों तक सीमित रखने के बजाय, खुद मैदान में उतरकर इसका उदाहरण पेश किया। महापौर ने औचक निरीक्षण करते हुए विभिन्न विभागों में बिना वजह जल रही लाइटों और पंखों को बंद किया और कर्मचारियों को ऊर्जा बचत के महत्व को समझाया। उनके इस कदम से नगर निगम मुख्यालय में ऊर्जा साक्षरता को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कर्मचारियों को समझाया कि बिजली बचाना केवल आदत नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा बदलाव की शुरुआत घर से होती है, और अगर हम खुद बिजली बचाएंगे, तो शहर भी सीखेगा। महापौर भार्गव ने बताया कि ऊर्जा संरक्षण न केवल बिजली के बिल को कम करता है, बल्कि यह पर्यावरण बचाने का भी एक महत्वपूर्ण तरीका है। इस दौरान उनके साथ एनर्जी स्वराज फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. चेतन सोलंकी भी मौजूद थे।

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन की पीएमओ से निगरानी

भूमि अधिग्रहण नोटिफिकेशन जारी, 59 गांवों से ली जाएगी जमीन

इंदौर (नप्र)। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट की निगरानी अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से सीधे की जा रही है। इस परियोजना के तहत इंदौर जिले में भूमि अधिग्रहण के आदेश जारी हो चुके हैं। इससे परियोजना के कार्य में तेजी आएगी, क्योंकि अब इसकी निगरानी पीएमओ द्वारा की जाएगी। सांसद शंकर लालवानी ने जानकारी दी कि इस परियोजना के तहत 13 जिलों की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। महू के गांवों के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के लिए अधिकारी की नियुक्ति का नोटिफिकेशन जारी किया गया है, जिससे यह प्रक्रिया जल्दी पूरी हो सकेगी। यह परियोजना 309 किमी लंबी होगी, जो इंदौर से मुंबई को जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। इसे लेकर 18036 करोड़ रुपए की मंजूरी सितंबर में मिल चुकी थी। इस नई रेल लाइन से न केवल यात्री सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि औद्योगिक कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। इस परियोजना का 170.56 किमी हिस्सा मध्य प्रदेश में आएगा। इसमें 905 हेक्टेयर भूमि निजी है। मध्य प्रदेश में इस रेल लाइन के तहत बनने वाले 18 स्टेशन में महू, केलोद, कमदपुर, झाड़ी बरोदा, और अन्य स्टेशन शामिल हैं।

इंदौर के 22 और धुलिया जिले के 37 गांव के अधिग्रहण के आदेश इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट के लिए इंदौर और धुलिया जिले के कुल 59 गांवों का भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत इंदौर जिले के 22 गांव और धुलिया जिले के 37 गांव शामिल हैं। इंदौर-मनमाड़ रेल्वे संघर्ष समिति के मनोज मराठे ने बताया कि रेल मंत्रालय मध्य रेलवे द्वारा इंदौर जिले के लगभग 22 गांवों की भूमि अधिग्रहण का आदेश जारी किया गया है। इसके अलावा, धुलिया तहसील के 10 गांवों और शिरपुर तहसील के 18 गांवों की जमीन का अधिग्रहण करने के आदेश भी जारी हुए हैं। मराठे ने कहा कि इस विशेष परियोजना के तहत काम तेजी से चल रहा है, जिससे

इसका कार्य शीघ्रता से पूरा हो सके।सरदारपूर अमझेरा के मध्य रेल्वे लाइन निर्माण के कार्य प्रारंभ करने के अवसर पर भूमि पूजन तथा पुल निर्माण का कार्य प्रारंभ।

प्रोजेक्ट के लिए 18 हजार 36 करोड़ रुपए की स्वीकृति- इंदौर-मनमाड़ रेल प्रोजेक्ट की योजनाओं पर वर्षों से काम चल रहा है। 2022 में इस प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी नहीं मिल सकी, लेकिन 2023 में 2 करोड़ रुपए की टोकन राशि जारी की गई। मध्य प्रदेश के हिस्से में डीपीआर-सर्वे का काम किया गया। इस काम को जारी रखने के लिए 2024 के बजट में 1 हजार रुपए की टोकन राशि भी दी गई थी। अब 18,036 करोड़ रुपए की राशि इंदौर-मनमाड़ रेल प्रोजेक्ट के लिए स्वीकृत की गई है, जो आगामी बजट में उपलब्ध होगी।

महू तहसील के इन गांवों की जमीन अधिग्रहण होना है- खेड़ी (इस्तमुरार), चेनपुरा, कामदपुर, खुदालपुरा, कुराड़ाखेड़ी, अहिल्यापुर, नांदेड़, जामली, केलोद, बेरछा, खेड़ी, गवली पलास्या, आशापुर, मलेंडी, कोदरिया, बोरखेड़ी, चोरड़िया, न्यू गुराड़िया और महू कैंट (डॉ. आंबेडकर नगर)।

309 किलोमीटर लंबी लाइन से 30 लाख की आबादी को होगा फायदा- इंदौर-मनमाड़ रेल प्रोजेक्ट के तहत कुल 309 किलोमीटर लंबी रेल लाइन इंदौर से महाराष्ट्र के मनमाड तक बिछाई जाएगी। इस परियोजना से लगभग एक हजार गांवों और 30 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे ने भू-स्वामियों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर 16 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन होगा, और शुरुआती वर्षों में 50 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। इस परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में 170 किलोमीटर लंबी लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें 18 स्टेशन शामिल होंगे।

इंदौर से मुंबई की दूरी भी 830 किमी से घटकर 568 किमी रह जाएगी- इंदौर-मनमाड रेल प्रोजेक्ट के तहत धार, खरगोन और बड़वानी जिले के आदिवासी अंचल से पहली बार रेल लाइन गुजरेगी, जिससे इन क्षेत्रों को रेल सेवाओं से सीधा संपर्क मिलेगा। इस परियोजना से लगभग एक हजार गांव और 30 लाख आबादी को फायदा होगा। इंदौर से मुंबई की दूरी भी 830 किलोमीटर से घटकर 568 किलोमीटर रह जाएगी। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि यह रेलवे लाइन प्रोजेक्ट बहुत प्रतीक्षित है और इसके लिए अब जमीन अधिग्रहण का काम तेजी से शुरू किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने इसके लिए एक अधिकारी की नियुक्ति की है, और आगामी बजट में इस प्रोजेक्ट के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा होने पर 16 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का संचालन होगा, और शुरुआती वर्षों में 50 लाख यात्री सफर करेंगे। इस प्रोजेक्ट से रेलवे को हर साल 900 करोड़ से अधिक का राजस्व मिलेगा। इंदौर-मनमाड रेल लाइन योजना की शुरुआत 1918 में होलकर काल में हुई थी। इस परियोजना को गति शक्ति योजना में शामिल किया गया है, जिसके तहत इसकी निगरानी सीधे पीएमओ से की जाएगी। रेल मामलों के विशेषज्ञ नागेश नामजोशी के मुताबिक, होलकर राज्य के आर्किटेक्ट पैट्रिक गिडीस ने सबसे पहले इस रेल लाइन का खाका तैयार किया था, लेकिन तब तक काम शुरू नहीं हो सका। 2002 में तत्कालीन रेल मंत्री नीतिश कुमार ने इस परियोजना के सर्वे के लिए राशि मंजूर की और 2004 में सर्वे पूरा किया गया। हालांकि, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सरकार के बीच समन्वय न होने के कारण परियोजना पर काम शुरू नहीं हो पाया। इसके बाद, इस परियोजना के लिए महाराष्ट्र में आंदोलन शुरू हुआ, जो इंदौर तक पहुंचा। 2016 में सेंट्रल रेलवे ने सर्वे किया, और 2019 में जहाजरानी मंत्रालय और रेलवे के बीच इस परियोजना के लिए समझौता हुआ, लेकिन यह बाद में निरस्त हो गया।

संपादकीय

महाकुंभ में हादसा दुर्भाग्यपूर्ण

प्रयागराज में महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर दूसरे अमृत स्नान के दौरान वही हुआ, जो नहीं होना चाहिए था। बेहतरीन व्यवस्थाओं के तमाम दावों के बीच मंगलवार 2 बजे के करीब संगम तट पर भगदड़ मची, जिसमें करीब 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 10 की पुष्टि हो चुकी है। लभगभ 1 दर्जन से अधिक लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मेले में भगदड़ के बाद अफरा-तफरी का माहौल बना, जिसके कारण अखाड़ों ने अमृत स्नान करना टाल दिया। हालांकि बाद में व्यवस्था सुधरने पर सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान किया। महाकुंभ में हुए इस दर्दनाक हादसे ने राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक सभी को हिला दिया है, क्योंकि यह दावा किया जा रहा था कि इस बार महाकुंभ में करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है और उसी के मुताबिक सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई हैं। लेकिन महाकुंभ में हो रहे लगातार हादसों ने इस मेले पर दाग लगा दिया है। 13 जनवरी से हुए इस महाकुंभ में पहला बड़ा हादसा 19 जनवरी को हुआ, जब मेले के सवा सौ टेंट आग से भस्म हो गए। प्रशासन का दावा था कि आग पर बहुत जल्दी काबू पा लिया गया। चूंकि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई थी, इसलिए लोगों ने उसे बहुत गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद मेले में दो कारों में लगी आग और कल रात भगदड़ के बाद एक एंबुलेंस के जलने की घटना भी हुई। लेकिन संगम तट पर हुआ हादसा कई गंभीर सवाल खड़े करता है। बताया जाता है कि नदी तट पर बने एक रेलिंग के टूटने से यह स्थिति बनी। इसके बाद मची भगदड़ में कुचले लोगों को बचाने की पुलिस और प्रशासन ने काफी कोशिश की, लेकिन दो दर्जन से अधिक लोगों ने दम तोड़ दिया। सवाल यह है कि भगदड़ की यह स्थिति क्यों बनी? इसका पहला कारण तो यह है कि महाकुंभ में इतनी ज्यादा संख्या में श्रद्धालु चले आ रहे हैं कि अब प्रबंधकों को लोगों से अभी नहीं आने की अपील करनी पड़ रही है। लेकिन लोगों पर इसका कोई असर होता दिख नहीं रहा है। जब भीड़ बेकाबू होगी तो कोई भी व्यवस्था ध्वस्त होगी ही। दूसरे, महाकुंभ में स्नान के बाद लोग अयोध्या, वाराणसी और मथुरा भी जाते हैं। ऐसे में इन तीर्थ स्थलों पर भी दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। दरअसल श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और धार्मिक आस्था का सैलाब किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है। महांकुभ हादसे के एक दिन पहले सोनीपत के पास बड़ौत में दिगंबर जैन समाज के एक धार्मिक कार्यक्रम में मची भगदड़ के कारण 7 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। एक ही समय में करोड़ों के लोगों के पहुंचने से तमाम इंतजाम चरमरा कर ध्वस्त हो जाते हैं, लेकिन इस सच्चाई को लोग समझना नहीं चाहते। क्योंकि पुण्यार्जन की चाहत के आगे सब कुछ गौण है। धर्मस्थलों पर लोगों की बढ़ती भीड़ के पीछे एक कारण धर्म में लोगों की निरंतर बढ़ती आस्था, भौतिक जीवन की परेशानियां और आध्यात्मिक शांति की चाह मुख्य है। दूसरा बड़ा कारण धार्मिक समागमों का मीडिया के माध्यम से बहुत ज्यादा प्रचार भी है। इसकी वजह से भी पहले की तुलना में ज्यादा लोग धार्मिक उत्सवों में पहुंच रहे हैं। वैसे भारत में लोगों की धार्मिक आस्था की जड़ें बहुत गहरी हैं। इस आस्था का पूरा सम्मान होना चाहिए। लेकिन पवित्र नदी में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने के जुनून में लोग अपना विवेक और संयम खो दें, यह भी ठीक नहीं है।

नजरिया

कुमार सिद्धार्थ

लेखक पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।

वर्ष दर वर्ष बढ़ती धरती की गर्माहट

भारत जलवायु संकट की विकट चुनौतियों से अछूता नहीं है। वर्ष 2024 में वैश्विक तापमान वृद्धि ने औद्योगिक युग (1850-1900) के पूर्व-स्तर से 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की सीमा को पार कर लिया। यह न केवल एक वैश्विक चेतावनी है बल्कि उन देशों के लिए भी एक गंभीर संकेत है जो विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिमी देशों की औद्योगिक गतिविधियों और ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन को इस स्थिति का मुख्य कारण माना जाता है। ये देश दशकों तक भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते रहे हैं, जिससे वैश्विक कार्बन बजट पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने में इनकी भूमिका सीमित रही है।

साल 2025 पर्यावरण के लिहाज से देखना होगा कितना पर्यावरणीय अनुकूल बन पाएगा। हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट से साफ हुआ है कि वर्ष 2024 ने अब तक के सबसे गर्म वर्ष का रिकॉर्ड बना लिया है। यह घटना जलवायु संकट की गंभीरता और इसकी बढ़ती गहराई को उजागर करती है। इस बढ़ते तापमान का कारण केवल प्राकृतिक नहीं है; बल्कि यह मुख्य रूप से मानवजनित गतिविधियों और नीतिगत लापरवाहियों का परिणाम है। धरती की लगातर बढ़ती गर्माहट वर्ष 2025 में क्या नया रिकॉर्ड बनाएगी आने वाले समय में देखने को मिलेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो बीते पंद्रह वर्षों में सबसे गर्म पांच वर्षों का होना इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि जलवायु परिवर्तन अब एक अनदेखी समस्या नहीं रही। इसके प्रभाव हर साल और अधिक स्पष्ट होते जा रहे हैं, जो न केवल पर्यावरण को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रहे हैं।

भारत जलवायु संकट की विकट चुनौतियों से अछूता नहीं है। वर्ष 2024 में वैश्विक तापमान वृद्धि ने औद्योगिक युग (1850-1900) के पूर्व-स्तर से 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की सीमा को पार कर लिया। यह न केवल एक वैश्विक चेतावनी है बल्कि उन देशों के लिए भी एक गंभीर संकेत है जो विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिमी देशों की औद्योगिक गतिविधियों और ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन को इस स्थिति का मुख्य कारण माना जाता है। ये देश दशकों तक भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते रहे हैं, जिससे वैश्विक कार्बन बजट पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने में इनकी भूमिका सीमित रही है।

भारत की ऊर्जा संरचना कोयले पर अत्यधिक निर्भर है, जो कुल ऊर्जा उत्पादन का 77 प्रतिशत है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सकारात्मक प्रगति के बावजूद, इसका वास्तविक योगदान 10त्न से भी कम है। हालांकि, वैश्विक उत्सर्जन में भारत की हिस्सेदारी केवल 8त्न है, जो चीन और अमेरिका से काफी कम है। हालांकि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत से बहुत कम है, लेकिन कोयले पर अत्यधिक निर्भरता और नवीकरणीय ऊर्जा के सीमित उपयोग ने इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक बना दिया। ऐसे में भारत को इस संकट से उबरने के लिए अपनी नीतियों और ऊर्जा स्रोतों की समीक्षा करनी होगी।

भारत के लिए यह समय है कि वह जलवायु परिवर्तन से निपटने की अपनी रणनीतियों को और अधिक सुदृढ़ बनाए। इसे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा स्रोतों की विविधता बढ़ाने की जरूरत है, बल्कि

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपने प्रयासों को मजबूती से प्रस्तुत करना होगा। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ आगे बढ़ें।

इंडिया स्टेट ऑफ द फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का वन क्षेत्र बढ़कर 25त्न हो गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप भारत का कार्बन सिंक 2005 के स्तर से 2.29 अरब टन तक अधिक हो गया है। रिपोर्ट यह भी दावा करती है कि भारत ने पेरिस समझौते के तहत अपनी कार्बन सिंक प्रतिबद्धता को समय से पहले पूरा कर लिया है। लेकिन पौधरोपण को वन क्षेत्र मानने की सरकारी प्रवृत्ति भ्रामक है, क्योंकि ऐसे क्षेत्रों की कार्बन अवशोषण क्षमता सीमित होती है।

हालांकि भारत ने शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य 2070 तक तय किया है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ बढ़ती गर्मी इस लक्ष्य को समय से पहले पूरा करने की जरूरत पर बल देती है। जलवायु संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है; यह मानव जीवन, कृषि, और अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। वैसे भी भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत से आधा है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत जलवायु संकट से मुक्त है। देश को न केवल इस चुनौती को स्वीकार करना होगा, बल्कि निर्णायक पहल भी करनी होगी।

सबसे पहले, नीति निर्माताओं को जलवायु कार्य योजनाओं में व्यापक सुधार करने होंगे। इन योजनाओं को क्षेत्रीय और स्थानीय जरूरतों के अनुसार तैयार करना होगा ताकि उनकी प्रभावशीलता बढ़ सके। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा की भंडारण क्षमता को उन्नत करना प्राथमिकता होनी चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक भंडारण तकनीकों में निवेश अनिवार्य है।

दूसरा, हरित तकनीकों को अपनाने और उनका विस्तार करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। इसके तहत ऊर्जा-कुशल उपकरणों और इमारतों को प्रोत्साहन देना, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, और स्वच्छ उद्योगों को बढ़ावा देना शामिल है।

तीसरा, शहरीकरण और औद्योगीकरण को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। स्मार्ट शहरों के निर्माण में हरित क्षेत्रों का समावेश, जल-प्रबंधन प्रणालियों का सुधार, और टिकाऊ परिवहन तंत्र को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और वैश्विक मंचों पर अपनी चिंताओं और आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से रखना होगा। जलवायु वित्त और तकनीकी सहायता के क्षेत्र में विकसित देशों से समर्थन प्राप्त करने की दिशा में भारत को अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए।

इन ठोस और दूरदर्शी कदमों के बिना, जलवायु संकट का प्रभाव केवल गहराता जाएगा। अब समय आ गया है कि भारत अपने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाते हुए निर्णायक कार्यों की दिशा में आगे बढ़े। ग्लोबल वार्मिंग की इस गति में औद्योगिक क्रांतियों के बाद से तेज वृद्धि हुई है। बढ़ते उत्सर्जन स्तर, वनों की कटाई, और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। 2024 का यह रिकॉर्ड केवल चेतावनी नहीं, बल्कि एक गंभीर संकेत है कि अब ठोस और तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

कहानी चीता वापसी की

अवनीश सोमकुवर

लेखक मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के अधिकारी हैं।

केन्द्र और राज्य सरकार ने रचा वन्यजीव संरक्षण का इतिहास

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश की आकर्षक झांकी में इस बार कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में हुई चीता की वापसी की झलक दुनिया के सामने प्रदर्शित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य सरकार की वन्यजीव संरक्षण के लिये प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारत में चीते की वापसी अंतरमहाद्वीपीय वन्यजीव स्थानांतरण की ऐतिहासिक पहल है। यह 1950 के दशक में विलुप्त हो गए चीते की आबादी को फिर से स्थापित करने में भारत को मिली ऐतिहासिक सफलता है। अफ्रीका से स्वस्थ चीतों की परिवहन प्रक्रिया भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक मील का पत्थर है। भारत में 17 सितंबर 2022 को आठ चीतों का पहला समूह आया, जिसमें 5 मादाएं और 3 नर चीते थे। नामीबिया से कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर में इन्हें स्थानांतरित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हें कूनोराष्ट्रीय उद्यान में छोड़ने की सम्पूर्ण प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग की। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को दूसरा समूह पहुंचा, इनमें12 चीते (7 नर और 5 मादा) थे। 'प्रोजेक्ट चीता' एक उल्लेखनीय वैज्ञानिकउपलब्धि के रूप में हमारे सामने है, जो राष्ट्रीय गौरव की पुर्नस्थापना में योगदान कर रहा है। इसने भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है। चीते को भारत में फिर से वापस लाने से पहले उनके लिए एक आदर्श रहवास का चयन करने के लिए बहुत सावधानी से योजना बनाई गई। ईरान से एशियाई चीते के अस्तित्व के अभाव को देखते हुए दुनिया भर के प्रसिद्ध संरक्षणवादी, आनुवंशिकीविदों से परामर्श किया गया। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से आए उप-प्रजातियों को सबसे उपयुक्त मानागया, जो स्थिर और पर्याप्त आबादी का समर्थन करते हैं।

भारत में चीतों का आगमन –भारतीय वन्यजीव संस्थान ने 2022 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एक व्यापक वैज्ञानिक कार्य योजना तैयार की। यह ऐतिहासिक पहल अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है, जो मांसाहारी प्रजातियों के स्थानांतरण के लिए एक रणनीतिक औरपारिस्थितिकीय दृष्टिकोण को सुनिश्चित करती है। भारत में चीते की वापसी की पहल सिर्फ एक परियोजना नहीं है, बल्कि उनके मौलिक रहवासों के पुर्नस्थापना का एक वैज्ञानिक प्रोटोटाइप है। यह ग्रासलैंड पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित करने और स्थानीय जैव-विविधता का संरक्षण करने की पहल है। चीते की वापसी की योजना ने ऐतिहासिक जैव पारिस्थितिकी के नाजुक संतुलन को बनाये रखने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है। इसके लिये उपयुक्त रहवास स्थलों की पहचान करने में मध्य भारत के दस स्थानों का सर्वेक्षण किया गया। इन स्थानों में से मध्यप्रदेश का कूनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान सबसे उपयुक्त पाया गया। कुल 748 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला कूनो राष्ट्रीय उद्यान न केवल उपयुक्त रहवास है, अपितु यहाँ चीतों के लिए पर्याप्त शिकार भी उपलब्ध हैं। साथ ही यह स्थानमानवीय गतिविधियों से मुक्त है।

पूर्व प्रयास – 1952 में भारत सरकार ने चीते की दयनीय स्थिति को समझ लिया था और उसे विशेष संरक्षण देने का संकल्प लिया था। इसके बाद 1970 के दशक में ईरान सेएशियाई चीते लाने की बातचीत असफल रही। भारत में चीतों की वापसी की कहानी एक घुमावदार कहानी है, जो 1950 के दशक में प्रजातियों के विलुप्त होने तक जाती है। आधिकारिक प्रयास 1970 के दशक में शुरू हुए, जिसमें ईरान और उसके बाद केन्या से बातचीत शुरू हुई। वर्ष 2009 में, भारत ने अफ्रीकी चीतों के लिए प्रस्ताव रखा। वर्ष 2020 में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सीमित संख्या में चीते लाने की अनुमति मिली, ताकि उनकी भारतीय पर्यावरण में रहने की क्षमता का परीक्षण किया जा सके।

विलुप्ति से आबादी की ओर – चीता अपनी आकर्षक छवि के लिए जाना जाता है। इसका नाम 'चीता' मूल रूप से संस्कृत से जुड़ा है, जिसका अर्थ है 'धब्बेदार।' इसका उल्लेख प्राचीनभारतीय धर्म ग्रंथ जैसे ऋग्वेद और अथर्ववेद में मिलता है। मध्यभारत की निओलिथिक गुफाओं में इसके चित्र मिलते हैं। वर्ष 1952 में चीता ने भारतको अलविदा कहा। कई बीसवीं सदी में, संरक्षण उपायों की कमी के कारण चीते की आबादी में गिरावटआई, जिससे इस शानदार जीव की स्थिति और अधिक खराब हो गई। एशिया में चीतेने अपने रहवास के क्षेत्र से बाहर हो जाने का सामना किया, जो भू-मध्यसागरीय और अरबी प्रायद्वीप से लेकर केस्पियन तक फैला था और उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और मध्य भारत तक पहुंचता था। जंगली शिकार की कमी, सीधे शिकार और आवास का खत्म होना उनकेगायब होने का कारण बने। अब एशियाई चीता, जो 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' सूची में है, केवल ईरान में बचा हुआ है।इस पृष्ठभूमि में भारत ने वन्यजीव संरक्षण इतिहास रचा है। मध्यप्रदेश सरकार वन्यजीव संरक्षण के सर्वोत्तम प्रयासों के साथ इसका ध्यान रख रहीहै।

गृहणी : समाज की जिम्मेदारी और धरोहर

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

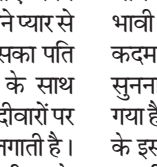

हमारा समाज,हमारे जीवन का आधार है। समाज को बैलेंस करने के लिए जिन चीजों की जरूरत है, उसमें सबसे पहले हमारे दिमाग में आएगा परिवार और फिर हमारे मन में आएगा विश्वास। परिवार में बनता विश्वास ही एक अच्छे समाज की नींव रखता है।

प्रश्न यह है कि परिवार बनाता कौन है? तो जवाब सीधा सा है,स्त्री और पुरुष। स्त्री घर की सिर्फ एक गृहणी नहीं है। बल्कि वो नीवंदाता है,जो पुरुष के जीवन की, एक परिवार की,उसके बढ़ते हुए वंश की और इस वंश में किए जाने वाले हर कार्य की अहम सहयोगी होती है ।ये बहुत ही अजीब लगता है। कई बार जब स्त्रियां अपना इंट्रोडक्शन किसी को देती है, तो कहते है की 'जी। मैं गृहणी हूँ,घर पर ही रहती हूँ।' लेकिन क्या कभी हमने सोचा कि घर पर रहना और एक मकान को घर बनाना कितना कठिन है? यह स्त्री ही है जो काम से थके-हारे आए अपने पति के टूटते आत्मविश्वास को अपने प्यार से दोबारा सिलती है । जिससे कि उसका पति अगली सुबह नए आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन काम को कर सकें । दीवारों पर अपने यादों के रूप में तस्वीरों को लगाती है। परिवार के सभी सदस्यों को उनके जीवन के अनमोल पलों को महत्वपूर्ण बनाती है। सुबह की पहली किरन से लेकर रात की चादर की आखिरी सलवट तक स्त्री अपने होने का अहसास दिलाती है, पर फिर भी हाउस-वाइफ ही कही जाती है ।बड़े-बजुर्ग जब कहते है कि किसी भी परिवार की सुख-शान्ति उस परिवार की स्त्री पर निर्भर करती है, तो यह पूरी तरह गलत नहीं है । आज भी यह माना जाता है कि अगर किसी परिवार में स्त्री गलत आ जाए तो वह ना सिर्फ पूरे परिवार के लिए घातक सिद्ध होती है बल्कि आने वाली भावी पीढ़ीयों के लिए भी परेशानी का कारण बन सकती है। इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि सभी स्त्रीयां खराब होती है या फिर स्त्रियों को अपने मन को मार आकर सबकुछ सहते रहना चाहिए। इस बात का अर्थ यह है कि गृहणियां हमारे समाज की धरोहर है। जिनकी मुस्कुराहट में हमारे समाज का सुखद भविष्य छिपा होता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज के बदलते रूप में हमने बहुत ही कम स्त्रियों के योगदान को अहमियत दी है। आज भी हम यह चाहते है कि समाज पुरुष प्रधान ही रहे, स्त्रियां घर से बाहर तो जाए पर घर के हर काम को करना भी अपनी नियती स्वीकार करें। हम कामकाजी गृहणी चाहते है । जो पुरुष के इकनोमिक बोझ को तो झेले,उसके साथ-साथ पुरुष की बराबरी का कभी नहीं सोचे । हम भूल जाते है कि सदियों से स्त्री ने समाज को दिया ही है । बदले में वह सिर्फ समर्पण, प्रेम और सम्मान ही चाहती है । क्या यह इतनी कठिन चीज़े है, जिन्हें हम उसे भेंट स्वरूप नहीं दे सकते। स्त्री जब अपने परिवार को सम्भालती है तो वह असल में समाज को सम्भाल रही होती है। बच्चों के भविष्य को संवारते हुए वह हमारे समाज की भावी पीढी को नया रूप दे रही होती है। हर कदम में आने वाले कल की दस्तक है। जिसे सुनना और समझना अब बहुत ज़रूरी हो गया है। ज़रूरी हो गया है कि हम भागम-भाग के इस दौर में ठहरे और सोचें की कहीं हम अपनी अन्मप्ल धरोहर को भीतर से खोखला तो नहीं करते जा रहे । हमारे आज की सोच कहीं हमें यह सुनने पर विवश ना कर दें कभी स्त्रीयां भी रूठती थी। उनके मौन को अपनाए और उनकी मुस्कुराहट का कारण बनें । यह सिर्फ पुरुषों का ही दायित्व नहीं है बल्कि स्त्री का भी स्त्री के प्रति नैतिक ज़िम्मेदारी है कि वो अपने आज को किसी के कल होने वाली परेशानी का कारण ना बनने दें । जब सभी भावनाओं को समझेंगे तभी एक गृहणी एक सफल समाज के निर्माण में सहायक सिद्द हो पाएगी ।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

प्रशासन की पारदर्शिता

इस बार जो मुख्यमंत्री आये थे, वे एकदम पारदर्शी थे। जिस ओर से भी देखो एकदम आर-पार दिखाई देते थे। मुख्यमंत्री आते हैं, लेकिन इतने पारदर्शी नहीं उनका कहना था कि वे प्रशासन भी एकदम पारदर्शी रखेंगे। सभी को खुशी थी कि मुख्यमंत्री एकदम पारदर्शी हैं। मुसद्दीलाल मेरे पड़ोसी हैं। उनकी हर बात में नुक्ताचीनी करने की आद है। सुबह-सुबह आ धमकते हैं चाय सुड़कने। मैं भी इस बीच उनसे बतियाता हुआ शेव बना लेता हूँ और वे अपनी भीतर की भड़ास मुझ पर डाल कर चले जाते हैं, लेकिन कल जब वे आये तो उनके तेवर तने हुये थे तथा वे बैठ नहीं पा रहे थे। मैं बोला-'क्यों मुसद्दीलाल, क्या बात है ? लग तो ऐसा रहा है कि जैसे तुम्हें पैसों की इस समय सख्त आवश्यकता है और तुम अपनी बात रखने का कोई नया नायाब गुर ढूँढ़ रहे हैं।'

मुसद्दीलाल की आँखों में इस बार हल्की-सी चिंगारी उभरी और बुझ गयी, बोले-'अमाँ शर्मा जी, कभी तो सीरियस रहा करो। तुमने तीन बार मुझे उधार क्या दे दिया-ले-देकर उसी पचड़े को लेकर मेरी बोलती बंद करना चाहते हो।'

'नहीं, ऐसा नहीं है मुसद्दीलाल। बात दरअसल पारदर्शिता की है। यदि तुमने तीन बार के उधार में जरा भी ट्रांसप्रेंसी दिखाई होती तो चौथी बार मुझे क्या आपत्ति हो सकती थी।'

मुसद्दीलाल ने दाँत बजाये और कहा-'मुझे पारदर्शिता से खासी चिढ़ है। मानता हूँ पारदर्शिता में सब कुछ साफ-साफ दिखाई देता है, लेकिन अब तक क्या दिखाई नहीं दे रहा था। किसी विभाग में घपला-गबन घोटाला जो भी हो रहा था, क्या वह हमारी पारदर्शिता नहीं है। कुछ भी छुपा नहीं था। रिश्वत का लेन-देन हो रहा था। खरीद-फरोख्त में सौदेबाजी हो रही थी, उसकी जानकारी हरेक मतदाता को थी-इस पारदर्शिता से कौन अनभिज्ञ था ?'

इस बार मैंने उन्हें बीच में ही रोका और कहा-'आपने मुख्यमंत्री को देखा है ?'

वे बोले-'एक बार क्या, कई बार देखा है इसमें नयी बात क्या है ?'

'नयी बात है मुसद्दीलाल। यहाँ तुम मात खा गये। वे एकदम ट्रांसपरैंट हैं। मेरा मतलब साफ सुथरे हैं। उनके कार्यों में जो पारदर्शिता देखी जा रही है, उनसे तो पूरा विपक्ष भौंचक्का रह गया है।' मैंने कहा।

उन्होंने पूछा-'मैं समझा नहीं, लेकिन इतना जरूर जानता हूँ नयी सरकार कुछ करना चाहती है। सारे मिनिस्टर नये डिटर्जेन्ट से अपनी-अपनी कमीजें धोकर-पहनकर आये हैं। पहले की बात जाने दो। नये जनादेश की रोशनी में कार्यशैली को देखें तो पारदर्शिता से मेरी तो आँखें चुँधियाँ रही हैं।'

'अब समझे मेरे भाई तुम पारदर्शिता का अर्थ। एमदम नये संस्करण में नयी रोशनी। जनमत की उपेक्षा का तो प्रश्न ही नहीं है। हर कार्य जनता से पूछकर जनहित में होगा। मेरा मतलब पहले वाले लोग अकड़कर अमचूर थे और ये विनम्रता के बोझ तले दबे जा रहे हैं।' मैं बोला।

मुसद्दीलाल का चेहरा लाल हो गया, वह बोला-'तुम्हारी मति मारी गयी है। पारदर्शिता को लेकर तो क्या विवाद हो सकता है-परन्तु हर ओर शोर हो रहा है, लोग दहशत में आ गये हैं। तबादलों की ताबड़तोड़ और निगमों, बोर्डों में हड़कम्प-इसका मतलब तुम समझते हो ?'

'क्यों नहीं, यह पारदर्शिता का ही विकीरण है, जिसके बचाव के लिए लोग इस वैचारिक बदलाव का नया ड्रामा रच रहे हैं।' मैं बोला तो मुसद्दीलाल ने अपना सिर पकड़ा और कहा-'तुम यह पारदर्शिता का आलाप कब त्यागोगे ? मैंने पहले ही कहा सरकार पारदर्शी शासन देने का वादा कर चुकी है और वह देगी भी, लेकिन यह जो रातों-रात पाले बदलने का ढ़ोंग हो रहा है, क्या उसे पारदर्शिता में नहीं माना जा सकता है ?'

'क्यों नहीं, उनसे शपथनामा लेकर माफीनामा लिखवा लिया जायेगा तथा ये ही लोग फिर नयी सरकार को चलायेंगे। आपको पता है, पहले वालों के यहाँ भीड़ कम हो गयी है और सारी भीड़ इनके पास आ गयी है।' मैंने कहा तो मुसद्दीलाल खुलकर हँसे और बोले-'अब समझे तुम पारदर्शिता का आशय। पुरानी बोतल में नयी शराब। काम करेंगे तो ठीक वरना जनता को आर-पार दिखाई देता है और अंत में वह आर-पार की ही लड़ाई लड़ती है।'

मुसद्दीलाल ने चाय का अंतिम घूँट सुड़का और अंतर्ध्यान हो गये।

शहीद दिवस विशेष

चित्रा माली

स्वतंत्र टिप्पणीकार और शोध अध्येता

आत्मा पर दस्तक देते गांधी विचार

कॉलिन्स और लापियर की किताब 'फ्रीडम एट मिडनाइट ' का हिंदी अनुवाद बारह बजे रात के 1978 में ही प्रकाशित हो गया था,जिसे हम में से कई लोगों ने पढ़ा भी होगा। अभी हाल ही में यह किताब फिर से विमर्श के केंद्र में है क्योंकि सोनी लिव पर 'फ्रीडम एट मिडनाइट ' नाम से ही इस पर इसके संदर्भों के साथ एक वेब सीरीज बनाई गई है। जिसका निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है। इस दौर में बनाई जा रही वेब सीरीज और फिल्मों में दिखाई जा रही घटनाओं और तथ्यों के साथ छेड़छाड़ से मन वैसे ही क्षुब्ध था। ऐसे में इस वेब सीरीज को लेकर भी संदेह था। लेकिन 'फ्रीडम एट मिडनाइट ' तथ्यों और घटनाओं के साथ न्याय करती है जिसकी काफी तारीफ भी की गई है। बहरहाल इस वेब सीरीज की समीक्षा करना मेरा मकसद नहीं है। आज का समय एक क्लिक पर सारी सूचनाएं प्राप्त कर लेने का समय है जो अधीरता से भरा हुआ है, बिना प्रमाणिकता की परख किए उसी अधूरे सत्य को सत्य मानने का समय है। बहुपक्षीय सत्यों को आत्मसात करने का वक्त अब हमारे पास नहीं है। एक कटुतम सत्य यह भी है कि जिस देश ने गांधी को अपना राष्ट्रपिता बापू माना है उनके आदर्शों, प्रतिमानों को जानने समझने की जहमत भी हम उठाने को तैयार नहीं है। एक वर्ग गांधी के अनुयायियों का है जो गांधी के किसी भी विचार पर प्रश्न करने से डरते है या जो प्रश्न करते हैं उन्हें वे गांधी का आलोचक समझते हैं। दूसरा वर्ग आलोचकों का है जो सिर्फ गांधी की आलोचना करने के लिए आलोचना करते है और कई बार कुतर्कों का भी सहारा लेते है। एक तबके के द्वारा आज भी गांधी जी को भारत विभाजन के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इस वेब सीरीज में विभाजन की विभीषिका को रोकने के लिए गांधी जी के द्वारा किए गए प्रयासों को दिखाया गया है और साथ ही नेहरू,पटेल और आजाद के साथ गांधी के संवाद और जिरह को भी बखूबी प्रस्तुत किया गया है जो भारत विभाजन की तत्कालीन परिस्थिति को समझने में मदद करती है। गांधी जी को और भी कई बातों का जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। गांधी जी के विरोध और आलोचना के लिए भगत सिंह, डॉ.अंबेडकर और सुभाष बाबू को भी गांधी के बरक्स रखा जाता रहा है। सुभाष चंद्र बोस और डॉ.अंबेडकर, गांधी के विचारों और कार्यशैली से सहमत नहीं थे और वे लगातार अपनी असहमति पत्रों के माध्यम से दर्ज कराते रहते थे जिसे गांधी उदार मन से सुनते, सुधार करते और पत्र के माध्यम से अपना पक्ष भी रखते थे। 1945 में डॉ.अंबेडकर ने एक किताब प्रकाशित करवाई जिसका नाम था 'व्हाट कांग्रेस एंड द गांधी हैव डन टू द अनटचेबल्स 'इस किताब में डॉ. अंबेडकर तर्क देते है और कारण बताते है कि गांधी जी का अछूतोद्धार अभियान असफल क्यों रहा। पहला 'छुआछूत पर गांधी हिंदुओं को प्रभावित करने में बिलकुल असफल रहे है '। दूसरा गांधी ने छुआछूत के विरुद्ध कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं किया। तीसरा गांधी नहीं चाहते है कि अछूत लोग मजबूत हों और संगठित हों,क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करने से वे हिंदुओं से स्वतंत्र हो जाएंगे और हिंदू धर्म के पदानुक्रम को कमजोर कर देंगे। डॉ. अंबेडकर ने एक तर्क और दिया कि 'अछूतों के बीच में स्वतंत्रता की चेतना को खत्म करने के लिए गांधी ने हरिजन सेवक संघ की स्थापना की '। इस पर गांधी जी का कहना था कि हरिजन सेवक संघ एक ऐसी संस्था है जो सवर्ण हिंदुओं को अपने अतीत के पापों पर प्रायश्चित करने को कहती है। शोषकों को खुद को बदलना पड़ेगा। डॉ.अंबेडकर गांधी जी की अकसर आलोचना करते थे लेकिन यह पहला अवसर था जब गांधी जी की आलोचना के लिए उन्होंने एक पूरी किताब ही लिख दी थी। किताब के प्रकाशन के कुछ दिन बाद ही कांग्रेस के एक सामाजिक कार्यकर्ता जो खुद निचली जाति के थे गांधी जी से मिलने आए। चर्चा के दौरान डॉ.अंबेडकर के हालिया आक्रमणों पर भी बात की गई। उस सामाजिक कार्यकर्ता ने गांधी जी से पूछा कि 'क्या अंबेडकर ने खुद को गांधी की तुलना में बेहतर साबित कर दिया है? इस सवाल पर गांधी जी ने जवाब दिया मेरा जवाब हां भी है और नहीं भी। डॉ. अंबेडकर एक जुझारू और निडर व्यक्ति हैं। जहां तक मेरा

सवाल है मैं हरिजनों को उतना ही सक्षम बनते देखना चाहता हूं जितना डॉ.अंबेडकर लेकिन मेरा तरीका दूसरा है। बल्कि मैं तो चाहता हूं कि वे मुझसे भी बेहतर करें। मैं चाहता हूं हरिजन समुदाय ऐसे शानदार व्यक्तित्वों का निर्माण करे जो हमारे पूरे समाज को नया आकर दे। डॉ. अंबेडकर की इस किताब के जवाब में सी. राजगोपालाचारी राजाजी ने एक लंबा पर्चा लिखा। क्योंकि राजाजी अस्पृश्यता उन्मूलन कार्यक्रम में गांधी जी के साथ मजबूती से खड़े थे। असहयोग आंदोलन के बाद जब उन्होंने अपनी शानदार वकालत का परित्याग कर दिया था, इसके बाद वे सिर्फ एक ही बार अदालत में गए और मुद्दा 'अछूतों 'के मंदिर में प्रवेश का था जिन्हें सवर्ण हिंदुओं ने प्रतिबंधित कर रखा था। गांधी अपने आलोचकों को भी पूरा स्पेस मुहैया करवाते थे ताकि परस्पर संवाद और एक दूसरे के विचारों को जानने समझने का अवसर मिलता रहे।

इन दिनों गांधी को और उनके संदेशों को भारत से बाहर कहीं बेहतर सुना जा रहा है और याद भी दिलाया जा रहा है कि भारत की पहचान गांधी है। गांधी और भारत एक दूसरे के पर्याय हैं जिससे कई बार लोगों को अगाध प्रेम स्नेह महज इसलिए मिलता रहा है कि वे गांधी के देश से आए हैं। गांधी के आदर्श और मूल्य ही विश्व को बचाने के लिए आवश्यक हैं, इसका जिक्र अंतरराष्ट्रीय मंचों से लगातार होता रहा है। गांधी के जन्मदिन को पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाना इसका प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय फलक पर देखे तो गांधी के जीवनकाल में उनका प्रभाव भारत तक सीमित रहा लेकिन देहत्याग के बाद वे सच्चे अर्थों में विश्व नागरिक बनकर विश्व के लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने और लोकतांत्रिक आंदोलनों को प्रेरणा देते रहे हैं। गांधी जी की मृत्यु के सात दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी गांधी की विरासत और उनका जीवन आज भी विमर्श के केंद्र में है और उस पर कई बार ऐसे देशों में भी क्रियान्वयन किया जाता है जिसके बारे में गांधी जानते तक नहीं थे। लोकतांत्रिक आंदोलनों के द्वारा हुए करीब पांच दर्जन सत्ता परिवर्तनों के अध्ययन में पाया गया कि सत्तर फीसदी से ज्यादा मामलों में तानाशाही सरकारें इसलिए धराशायी हुई कि उनके खिलाफ सशस्त्र विद्रोह नहीं हुआ था,बल्कि वे बहिष्कार, हड़ताल, उपवास और विरोध के दूसरे माध्यमों की वजह से पराजित हुई थी जिसकी प्रेरणा गांधी से मिली थी। गांधी की अहिंसा की शिक्षा आज भी खत्म नहीं हुई है। अरब,मिश्र,यमन और अन्य देशों में आंदोलनकारियों ने गांधी जी की तस्वीरों के साथ अहिंसक प्रदर्शन किए और गांधी जी की प्रतिरोध की अहिंसक कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन भी किया। गांधी के वैश्विक महत्व का पता हर साल प्रकाशित होने वाली उन पुस्तकों से चलता है जो उनके व्यक्तित्व पर बडी संख्या में दुनिया भर से प्रकाशित होती हैं। गांधी जी तीन अलग अलग देशों में रहे जिनमें से एक देश इंग्लैंड में वे विक्टोरियन युग में शिक्षित हुए, दक्षिण अफ्रीका में नस्लवाद के शिकार हुए और यहीं से सत्ता के प्रतिकार की अहिंसक कार्यशैली विकसित हुई,जिसका विस्तार भारत में देखा जा सकता है। गांधी जब अपने सघन राजनीतिक कार्यकलापों में लगे हुए थे उस दौरान दुनिया में बोल्शेविक क्रांति हुई,फासीवाद का उत्थान और पतन हुआ,विश्व में दो-दो विश्व युद्ध हो गए, एशिया और अफ्रीका में साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन उफान पर थे। चीन में माओ-त्से-तुंग एक हिंसक क्रांति की शुरुआत कर रहे थे और गांधी भारत में सत्य और अहिंसा आधारित जन-आंदोलन चला रहे थे।

परमाणु हथियार के प्रथम इस्तेमाल के ढाई साल बाद गांधी जी की हत्या हुई थी। गांधी जी ने परमाणु हथियारों की बजाए मनुष्य को,मनुष्यता को बचाए रखने के लिए अहिंसा को अपनाने की बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब मैंने पहली बार सुना था कि अणु बम ने हिरोशिमा का सफाया कर दिया है, तो मैं एकदम स्थिर बना रहा था। इसके विपरीत मैंने खुद से कहा था, अगर आज दुनिया अहिंसा को नहीं अपनाती है तो यह स्थिति मनुष्यता के लिए आत्मघाती साबित होगी।

अहिंसा वह एकमात्र चीज़ है जिसको अणु बम भी नष्ट नहीं कर सकता। 30 जनवरी 1948 की प्रार्थना सभा में एक विचार को मारने की साज़िश रची गई जो एक व्यक्ति की हत्या के रूप में सफल भी हो जाती है लेकिन गांधी एक विचार है जो आज तक हमारे इर्द गिर्द मौजूद है और उनके द्वारा दिया गया अहिंसक प्रतिरोध का मार्ग जो अंतिम जन के लिए अपनी जायज मांगों के संघर्ष के लिए आज भी कारगर है। 1 जनवरी 1948 से लेकर 30 जनवरी 1948 तक जब तक गांधी जीवित थे वे कौमी एकता और हिंदू मुस्लिमों को भाईचारे का पाठ पढ़ा रहे थे उनके जीवन का एक मात्र उद्देश्य विभाजन जनित हिंसा को समाप्त करना और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ाना था। आज भी हिंदू-मुस्लिम, ऊंची और नीची जातियों,मानव और पर्यावरण के बीच होने वाले संघर्ष और तनाव को सुलझाने के लिए गांधी और गांधी विचारों की प्रासंगिकता बनी हुई है।

कुष्ठ रोग दिवस पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

कुष्ठ रोगियों के प्रति सेवा, आत्मीयता एवं प्रेम का भाव जगे

मई 1974 में संजीव कुमार तथा जया भादुड़ी अभिनीत एक फिल्म प्रदर्शित हुई थी 'नया दिन नई रात'। इस फिल्म में साहित्य के नौ रसों यथा श्रृंगार, हास्य, करुण, वीर, रौद्र, भयानक, वीभत्स,अद्भुत एवं शांत रसों पर आधारित नौ प्रकार की भूमिकाएं नायक संजीव कुमार द्वारा अभिनीत की गई थी। ये नौ भूमिकाएं सामाजिक जीवन के नौ व्यवहारों की झलक दिखा रहे थे। संत, डकैत, गायक, नशेड़ी, डाक्टर, साहूकार आदि छवियों के साथ ही इसमें एक दृश्य कुष्ठ रोग से ग्रस्त एक व्यक्ति से भी संबंधित था। संजीव कुमार के भाव प्रवण अभिनय ने कुष्ठ रोगी के पात्र को जीवंत कर दिया और समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति उपेक्षा, अलगाव एवं तिरस्कार की बजाय प्रेम, सहानुभूति एवं अपनेपन के भाव एवं मानवीय दृष्टिकोण के अंकुर फूटे। इसके साथ ही उस दौर की कुछ अन्य फिल्मों में भी कोढ एवं कोढ़ी पर दृश्य दिखायी देते हैं। इन सभी में कुष्ठ रोगी का अभिनय कर रहे पात्र ने उसके प्रति सहानुभूति एवं दया दिखाने वाले व्यक्तियों को उससे दूर रहने को कहते हुए इस रोग को उसके पापकर्मों का परिणाम बताया गया तो वहीं उसके समुचित इलाज एवं भोजन पोषण के प्रेरक दृश्य भी खींचे गये। एक प्रकार से यह तत्कालीन समाजिक नजरिए को व्यक्त करता है। यह धारणा उस समय व्याप्त थी कि कोढ़ व्यक्ति केइस जन्म या पूर्व जन्मों के पाप कर्मों का कुफल है जिसे उस व्यक्ति कोभोगना ही है। हम सभी ने इस सामाजिक व्यवहार को बहुत करीब से देखा, सुना और समझा है। बड़े-बुजुर्गों द्वारा बच्चों को कुष्ठ रोगियों से बिल्कुल दूर रहने की सख्त हिदायत दी जाती थी। रोगी को समाज का कलंक माना जाता था।

इसलिए रोगी गांव से बाहर कर दिये जाते थे, परिवार वालों का भी सहयोग-सम्बल नहीं मिलता था। बड़ी संख्या में रोगी हरिद्वार का रूख कर लेते थे। या फिर शहरों में बाजार, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और मंदिरों के बाहर भीख मांगकर बहिष्कृत, तिरस्कृत एवं अपमानित निकृष्ट जीवन जीने को विवश होते थे। लेकिन सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रयासों से कुष्ठ रोगियों को न केवल उपचार और आश्रय मिला बल्कि जीने की सम्मानजनक राह भी मिली। इसका श्रेय फ्रांसीसी मानवतावादी विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक राउल फोलेरो को जाता है जिन्होंने 1954 में कुष्ठ रोग दिवस मनाने की पहल कर जन सामान्य में जागरूकता लाने एवं रोग का उपचार कर रोकथाम करने की ओर विश्व का ध्यान खींचा। तब से प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंतिम रविवार को विश्व कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है।

कुष्ठ रोग दिवस के माध्यम से इस घातक रोग के बारे में वैश्विक जागरूकता का प्रसार करने, रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और समुचितचिकित्सा के उपलब्ध होने का संदेश दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि कुष्ठ रोगियों के प्रति महात्मा गांधी के हृदय में न केवल असीम प्यार एवं अपनापन था बल्कि उनके लिए वे सम्मानजनक सामाजिक व्यवहार करने के भी पक्षधर थे। इसीलिए राउल फोलेरो ने महात्मा गांधी के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए उनकी पुण्यतिथि 30 जनवरी को कुष्ठ रोग दिवस मनाने को समर्पित किया। तब से भारत में कुष्ठ रोग दिवस मनाकर गांधी जी के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। जबिक वैश्विक स्तर पर यह आयोजन जनवरी महीने के अंतिम रविवार को किया जाता है।

कुष्ठ रोग एक संक्रामक रोग के रूप में समाज में माना जाता है। यह पाप कर्म का फल नहीं बल्कि एक जीवाणु जनित रोग है। वर्ष 1873 में चिकित्सक गेरार्ड हेनरिक आर्मोर हैन्सेन ने कुष्ठ रोग के उत्तरदायी जीवाणु माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री और माइक्रो बैक्टीरियम लेप्रोमेटासिस को खोजा। उनके नाम पर इसे हैन्सेन रोग भी कहा जाता है। रोगी में इस रोग के शुरुआती लक्षण दिखाई नहीं पड़ते। पांच साल तक यह जीवाणु बहुत धीरे-धीरे बढ़ता है। लेकिन बाद में गम्भीर रूप धारण कर त्वचा, नसों,हाथ-पैर और आंखों को प्रभावित करता है। यह प्रभावित अंगों में घाव कर देता है। बहुत समय पहले से ही यह भारत में पहचान लिया गया था। सुश्रुत एवं चरक संहिता में कुष्ठ रोग के लक्षण एवं उपचार का वर्णन मिलता है। इसके अलावा चीन और मिस्र में भी रोग के बारे में प्राचीन काल से जानते थे।

कुष्ठ रोग के जागतिक प्रसार की बात करें तो दक्षिण-पूर्वी एशिया, भारत इंडोनेशिया, अफ्रीका, और ब्राजील में इस रोग की बहुतायत है। 2019-20 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार भारत में दुनिया के 57 प्रतिशत रोगी पाये गये थे। तब विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत ने अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया भाषा में फ्लिप चार्ट तैयार कर आशा बहुओं को वितरित किया था। जिसका प्रयोग छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, पश्चिमी बंगाल में लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया था। इसके साथ ही एक एनीमेशन फिल्म भी बनायी गयी थी जिसमें रोग के लक्षण, जरूरी उपचार एवं सावधानियों का वर्णन था। भारत सरकार ने 1955 में राष्ट्रीय कुष्ठरोग नियंत्रण कार्यक्रम बनाया जो 1983 में राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम के नाम से काम कर रहा है। 1980 के दशक में बहु औषधि उपचार के माध्यम से रोगी को चिकित्सा दी जाने लगी जो लाभप्रद रहा। आज सम्पूर्ण विश्व में कुष्ठरोग का निदान बहु औषधि उपचार द्वारा ही किया जा रहा है। भारत में कुष्ठ रोगियों के इलाज के लिए 1840 में ब्रिटिश सैन्य अधिकारी हैरी रैम्ज़े ने अल्मोड़ा में सर्व प्रथम प्रयास किये। विश्व में कुष्ठरोग के समूल निर्मूलन के लिए 1874 में मिशन टू लैपर्स नामक अन्तरराष्ट्रीय संगठन की शुरुआत हुई। कुष्ठरोग का पहला टीका भारत में बनाया गया। इसके अतिरिक्त भारत माता कुष्ठ आश्रम फरीदाबाद, विश्वनाथ आश्रम वाराणसी, कुष्ठ सेवाश्रम गोरखपुर, राजकीय कुष्ठ आश्रम रिठानी (मेरठ) सहित देश भर में राज्य सरकारों एवं स्वप्रेरित स्वैच्छिक संस्थाओं ने कुष्ठ रोगियों के लिए उपचार एवं निवास हेतु संगठित प्रयास किये हैं। आज भारत, चीन, रोमानिया, मिस्र, नेपाल, सोमालिया, लाइबेरिया, वियतनाम एवं जापान में कुष्ठ रोगियों की बस्तियां या आश्रम हैं, जहां कुष्ठ रोगियों को इलाज हेतु रखा जाता है और इलाज बाद उनके रोजगार एवं पुनर्वास के बेहतर प्रबंध किये जाते हैं। महात्मा गांधी सामाजिक जीवन में मानवता एवं समानता के पक्षधर रहे हैं। वह मनुष्यों में छुआछूत, गैरबराबरी के व्यवहार के सख्त खिलाफ थे। कुष्ठ रोगियों के प्रति सेवा को मानवता की सेवा मानते थे। उनकी पुण्यतिथि के अवसर हम संकल्प लें कि कुष्ठरोगियों के प्रति सहानुभूति, संवेदनशीलता, समता एवं स्नेहसिक्त व्यवहार करते हुए वर्ष 2025 के आयोजन की थीम - एकजुट हो जाओ, काम करो और खत्म करो- के उद्देश्य की पूर्ति कर कुष्ठरोगियों को मानवीय गरिमा अनुकूल सम्मानजनक जीवन जीने में अपनी यथेष्ट भूमिका निर्वहन करेंगे।

शहीद दिवस पर विशेष

सुसंस्कृति परिहार

लेखक स्तंभकार हैं।

गांधी के राम : अहिंसा आंदोलन की ऊर्जा

राम भारतीय संस्कृति के प्रतीक पुरुष हैं। उनके विविध स्वरुप अनेकों राम कथाओं में मौजूद हैं। राम बाल्मीकि के समकालीन बताए जाते हैं इसलिए उनका लेखन सर्वाधिक सत्य के करीब माना जाता है। रामायण की कथा को तुलसीदास ने रामचरितमानस के रुप में विकसित किया। जो लोकप्रिय हुआ। उत्तर भारत से दक्षिण भारत और दक्षिण एशिया के कई द्वीपों में राम की अलग-अलग कथाएं विद्यमान हैं। फिर भी यह तय है कि राम नाम का विस्तार व्यापक है जबकि इन तमाम पुस्तकों को भारत का सर्वोच्च न्यायालय काल्पनिक कथाएं मानता है।

बहरहाल,राम इतने शिद्दत के साथ भारतीय समाज में विभिन्न कथाओं में मौजूद हैं कि मशहूर लेखक डॉ भगवान सिंह को 'अपने अपने राम' लिखने की ज़रुरत महसूस हुई।

इन सब रामों के बीच एक महात्मा गांधी के भी राम थे। जिनसे वे बचपन से प्रभावित थे। लेकिन उम्र के साथ उनके राम का स्वरुप बदला वे निराकार हुए। ये सच है कि महात्मा गांधी ने धार्मिक सत्वों को कभी खोजा नहीं लेकिन अपने जीवन में उन की अनुभूति अवश्य की थी इसीलिए उनके विचारों में विरोधाभास मिलता है कहीं वे द्वैतवादी नज़र आते हैं तो कहीं अद्वैतवादी। वे अपने आप को वैष्णव कहते थे लेकिन राम नाम कीर्तन में उनका बड़ा विश्वास था वे असह्य वेदना से पीड़ित व्यक्ति से कहते थे,राम नाम लो। किसी को नींद ना आ रही हो तो कहते थे। राम नाम जपो। यहां तक कि अंत में आकर उनका विश्वास हो गया था कि रामधुन से शारीरिक मानसिक रोग ठीक हो जाते हैं । पराकाष्ठा यह हुई कि हत्यारे की गोलियां खाकर जब वे गिरे तब भी हे राम दो शब्द जिव्हा पर आए। जबकि कहा जाता है -

जन्म-जन्म मुनि जतन कराहीं
अंत राम कहि आवत ना हीं ।

उन्होंने हरिजन के 28 अप्रैल 46 के अंक में राम को स्पष्ट करते हुए लिखा - 'वे देह धारी राम की पूजा नहीं करते ,निरंजन निराकार राम को पूजते हैं जो दशरथ पुत्र और अयोध्या के राजा नहीं है वे सनातन हैं। वे अजन्मा हैं वे अद्वितीय हैं। मैं उन्हीं से सहायता और वरदान मांगता हूं।' गांधी के राम किस एक युग के राम नहीं है दशरथ पुत्र राम तो सतयुग, त्रेता ,द्वापर ,कलयुग से बंधा है। उनके राम किसी देश काल से नहीं बंधे। राम के चरित्र के जो अनेक रूप हमें भारत और अन्य देशों में मिलते हैं वह कवियों की कल्पना और जीवन दृष्टि से निर्मित हैं । गांधी के राम में सांप्रदायिकता के विषाणु नहीं इसीलिए सब मिलकर गाते थे रघुपति राघव राजा राम, ईश्वर अल्लाह तेरो नाम ! एक प्रतीक रूप में राम धर्मनिरपेक्ष शब्द बन गया राजा राम के निम्न कार्यों से भी गांधी प्रभावित थे -अन्याय का विरोध, सत्ता के बल पर अन्य लोगों के अधिकारों, राज्य,संपत्ति और स्त्री का अपहरण करने

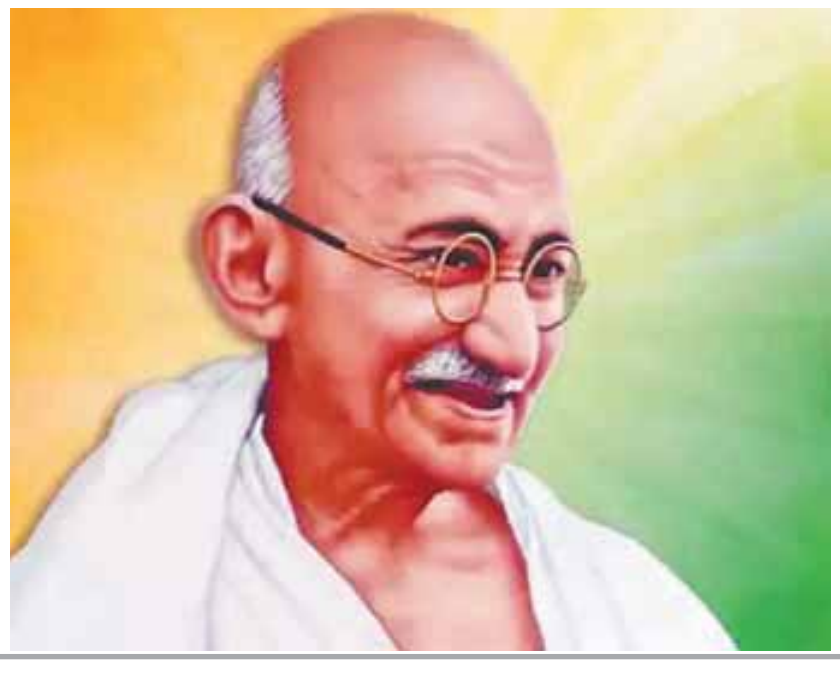

वालों का विरोध, रावण को दंडित करना,लंका में सुशासन की स्थापना, पिछड़ी जातियों को बराबरी का दर्जा देना, सुख- स्वास्थ्य की रक्षा कर एक न्याय प्रिय की भावना का सम्मान, अयोध्या,किष्किंधा,लंका का राज त्याग आदि। यही राम अनादि काल से भारतीय जन की पूर्णता की सपनों का मानदंड हैं।

एक जिज्ञासु का आश्रम में सवाल था, आपके राम दशरथ राम नहीं है फिर ऐसा क्यों है कि आपकी प्रार्थना में सीताराम और राजाराम बार-बार आते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में गांधी ने टिप्पणी की थी यह ठीक है कि राम धुन के क्रम में सीताराम और राजा राम शब्द बार-बार आते हैं लेकिन ध्यान देने की बात है कि राम से अधिक शक्तिशाली उनका नाम है तुलसी ने लिखा है-

कहो कहां लगी नाम बढ़ाई,
राम ना सकहिं नाम गुन गाई।

निश्चित ही यह तय था कि राम का नाम ज्यादा प्रभावी था और यही गांधी के अहिंसा आंदोलन की ऊर्जा था रामराज्य उनका आदर्श था जिसे वे भारत में स्थापित करना चाहते थे उन्होंने रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के रूपक (प्रतीक) के तौर पर किया जाता है। रामराज्य, लोकतन्त्र का परिमार्जित रूप माना जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधीजी की चाह थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी शासन से मुक्ति के बाद ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। जबकि वर्तमान समय में राम राज्य स्वार्थ साधने का नाम बन गया। राम के सर्व व्यापी रूप को खंडित किया गया। उसमें सद्भाव के प्रतीक राम अलगाव और टकराव के प्रतीक बन गए जबसे जय श्रीराम का उद्घोष हुआ राम-राम और जय सिया राम जी की परंपराओं को सांप सूंघ गया। गांधीजी ने कहा था 'मैं सत्य को राम के नाम से पहचानता हूं। मेरी परीक्षा की कठिन से कठिन घड़ी में इसी नाम सत्य ने मेरी रक्षा की है' यह सत्य आज सिर्फ राम नाम सत्य के रूप में ही देखने मिलता है। चारों ओर झूठ का बोल बाला है। आज यदि, राम ने नैतिकता के जो भी शिखर छुए उनको छूने की सिर्फ इच्छा ही जाग जाए तो गांधी के राम वापसी की उम्मीद की जा सकती है और गांधी के सर्व व्यापी निराकार राम की वापसी का मतलब होगा भारतीय जनमानस के सपनों का साकार होना।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने ताप्ती में लगाई डुबकी

बैतूल। मौनी अमावस्या पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ताप्ती नदी के घाटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। सूर्यपुत्री माँ ताप्ती नदी के मुलताई स्थित उद्गम स्थल, बारहलिंग घाट, खेड़ी घाट, पारसडोह, श्रवण तीर्थ साईखेड़ा और कोलगांव घाट पर श्रद्धालु पहुंचे। इस साल स्नान का महत्व विशेष है क्योंकि प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित हो रहा है। श्रद्धालु खेड़ी मार्ग से बारहलिंग और आठनेर मार्ग से कोलगांव घाट पहुंच रहे हैं। सिद्धि विनायक ज्योतिष संस्थान के निदेशक पंडित संजीव शर्मा के अनुसार, प्रयागराज में शाही स्नान के कारण स्थानीय श्रद्धालु यहां स्नान और दान कर कुंभ जैसी अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन स्नान करने से सभी प्रकार के कायिक, वाचिक और मानसिक पापों से मुक्ति मिलती है। विशेष रूप से इस तिथि पर पितरों का तर्पण, दान-पुण्य और गरीबों को भोजन कराने का विशेष महत्व माना गया है। दिन चढऩे के साथ श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

महिलाओं का दल महाकुंभ रवाना

बैतूल। महासम्मेलन और जीडी खण्डेलवाल मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं का दल महाकुंभ के लिए रवाना हुआ है। श्रद्धालु महिलाओं का होटल आभाश्री में स्वागत सम्मान का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं को महाकुंभ में जाने के लिए शुभकामनाएं और बधाई भी दी गई। इस आयोजन में मुख्य रूप से वैश्य समाज के प्रतिष्ठित सदस्य राजीव खण्डेलवाल, अखिलेश गोठी, योगी खण्डेलवाल, राखी खण्डेलवाल, आभा गर्ग, अमिता गुप्ता, नूतन लुहाडिया, श्रद्धा खण्डेलवाल सहित वैश्य समाज की महिलाओं के द्वारा महाकुंभ में जा रही महिलाओं को शुभकामनाएं दी गई।

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

बैतूल। ट्रेन की चपेट में आने से एक 25 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात को बैतूल से भोपाल की ओर जाने वाली रेलवे लाइन पर हुई। मृतक की पहचान कढ़ाई चौकी सोनाघाटी निवासी रोहित वरकड़े के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रोहित शराब के नशे में घर से निकला था। बुधवार सुबह लगभग 7 बजे परिजनों को सूचना मिली कि उनका बेटा रेलवे ट्रैक पर मृत पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को जिला अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमॉर्ट्म के बाद बुधवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस पता लगाने में जुटी है कि युवक किस ट्रेन की चपेट में आया। साथ ही ये भी जांच की जा रही है कि ये दुर्घटना थी या आत्महत्या का मामला है।

युवक ने अज्ञात कारणों से खाया जहर, मौत

बैतूल। एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोपना थाना क्षेत्र के शांतिपुर निवासी आकाश गुप्ता ने मंगलवार शाम को जहर खा लिया और घर लौटकर अपने माता-पिता को इस बारे में बताया।घटना के समय आकाश लगातार उल्टियां कर रहा था। परिजनों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रिश्तेदारों को बुलाया और उसे घोड़ाडोंगरी सीएचसी ले गए। युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए रात करीब तीन बजे उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, आईसीयू में इलाज के दौरान बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। आकाश के मौसेरे भाई विश्वनाथ ने बताया कि उन्होंने आकाश से आत्महत्या का कारण जानने की कोशिश की, लेकिन वह कोई वजह नहीं बता सका। अस्पताल पुलिस चौकी ने मर्ग डायरी तैयार कर चोपना थाने को भेजी है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवाने की कार्रवाई कर रही है, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

बारी समाज की महिलाओं ने ली स्वच्छता की शपथ

● बारी बरई समाज का हल्दी कुमकुम संपन्न

बैतूल। बारी बरई समाज की महिलाओं का हल्दी कुमकुम समारोह केसर बाग में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भैंसदेही अध्यक्ष पूनम बोरेकर, मुलताई अध्यक्ष वैशाली राउत, खेड़ीकोर्ट नगर अध्यक्ष नूतन राजस, बैतूल महिला अध्यक्ष सुषमा दारोकर, कार्यक्रम प्रभारी संगीता साठे, तुलजा भवानी ने मां के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया। महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर सौभाग्यशाली होने का आशीवाद और उपहार दिए। महिलाओं व बच्चें के द्वारा खेल और नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में घर को स्वच्छ रखना महिलाओं की जिम्मेदारी होती है उसी तरह अब समाज अपन आस-पास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने के लिए लोगों को जागरूक करेगा साथ ही महिलाओं ने स्वच्छता की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन रानी भोपले ने किया।

आयु सीमा पूर्ण करने के कारण अपात्र हुई महिलाएं, 364 महिलाओं की हो चुकी मृत्यु

● जनवरी 2025 को 2993 महिलाएं लाड़ली योजना से बाहर

एस. द्विवेदी बैतूल। लाडली बहना योजना में नए नाम नहीं जोड़ने और उम्र तथा दूसरी शर्तों के कारण नाम कटने से जिले में लाड़ली बहनों की संख्या में कमी आ रही है। बीते दो सालों में छह हजार से अधिक महिलाएं योजना से अपात्र हो चुकी हैं। अकेले बैतूल जिले में इस साल जनवरी माह में 2 हजार 993 महिलाएं अपात्र होने के कारण योजना से बाहर हो गई है। जबकि पिछले साल अपात्र महिलाओं की संख्या 3 हजार से अधिक थी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने महिलाओं के हित में लाडली बहना योजना शुरू की थी। वर्ष 2023 में जिले की 2 लाख 81 हजार 527 महिलाएं शामिल थी। लेकिन जनवरी 2025 में यह घटकर महज 2 लाख 73 हजार 651 रह गई है। यानि बीते दो सालों के दौरान 7 हजार 876 महिलाएं योजना से बाहर हो चुकी हैं। वहीं जिले में 419 महिलाओं ने योजना का लाभ त्याग दिया है। लाभ परित्याग के पीछे कई कारण होना उनके द्वारा बताए जा रहे हैं। वहीं 322 महिलाओं के आधार समग्र से डीलिंक होने के कारण भी महिलाएं योजना से बाहर हो गई। इसके अलावा समग्र से डिलीट होने की वजह से 169 महिलाओं को योजना से बाहर होना पड़ा।

2,993 महिलाएं 60 वर्ष पूर्ण करने के कारण बाहर - जिले की 2993 महिलाएं इस वर्ष जनवरी 2025 में योजना से बाहर हो गई। जिसके पीछे कारण यह है कि जनवरी 2025 में 60 वर्ष की आयु पूरी करने से यह महिलाएं योजना से अपात्र हो गई है। जबकि पिछले साल जनवरी 2024 में 3 हजार 186 लाड़ली बहनाएं अपात्र हो गई थी। देखा जाए तो हर साल लाड़ली बहनों की संखया में तेजी से गिरावट आ रही है। महिला बाल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना में ज्यादातर महिलाएं उम्रदराज हैं, जिसकी वजह से अपात्रों की संखया तेजी से बढ़ रही है। बताया गया कि योजना का लाभ 60 वर्ष उम्र होने तक ही मिलता हैं। इसके बाद वे वृद्धावस्था पेंशन की हकदार हो जाती है। इसीलिए जैसे ही महिलाओं की आयु 60 से ऊपर होती, वे स्वत: ही योजना से अपात्र हो जाती है। ऐसी महिलाओं की संख्या जिले में 6 हजार 179 बताई जाती है।

364 महिलाओं की हुई मौत - योजना में शामिल लाड़ली बहनों की मृत्यु होने के कारण भी तीन सैकड़ा से अधिक लाड़ली बहनाएं योजना से बाहर हो चुकी हैं। बताया गया कि योजना शुरू होने के बाद से अभी तक 364 महिलाओं की मौत हो चुकी हैं। वहीं 418 महिलाएं शुरुआत में अपात्र पाई गई थी। जिससे उन्हें योजना का लाभ ही नहीं मिल सका। वहीं पांच महिलाओं की आपत्तियां निराकरण के लिए आज तक लंबित होना बताई जाती है। देखा जाए तो योजना की शुरुआत से अभी तक साढ़े सात हजार से अधिक महिलाएं बाहर हो चुकी हैं।

वंचित महिलाएं कर रही योजना शुरू होने का इंतजार - वंचित महिलाएं लाडली बहना योजना का पंजीयन पुन: शुरू होने का इंतजार कर रही है। कई महिलाओं ने योजना शुरू होने की आस में अपने सारे दस्तावेज भी पूर्ण कर रखे है। उन्हें इंतजार है तो प्रदेश सरकार के आदेश और पोर्टल शुरू होने का, जिसके बाद वह फार्म भरकर लाडली बहना योजना में शामिल हो जायेगी। गौरतलब रहे कि पूर्व में लाडली बहना योजना में आयु की बाध्यता थी। पूर्व में 23 से 59 वर्ष तक की आयु की विवाहिताओं को ही योजना का लाभ मिल रहा था। बाद में सरकार ने योजना में कुछ संशोधन किया। इसमें भी कई महिलाएं ऐसी है, जिन्होंने योजना का फॉर्म तो भरा था, लेकिन वह योजना में शामिल नहीं हो पाई, वहीं कई दस्तावेजों की कमी सहित अन्य कारणों से योजना में वे शामिल नहीं हो पाई। ऐसी महिलाएं अब लाडली बहना योजना का पंजीयन पुन: शुरू होने का इंतजार कर रही है, ताकि उन्हें भी लाडली बहना योजना का लाभ मिल सके।

इनका कहना- जनवरी 2025 को 2993 महिलाओं की उम्र 60 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। जिससे वे स्वयं इस योजना से बाहर हो गई, इसके अलावा 364 महिलाओं की मृत्यु होने के कारण ये महिलाये लाडली बहना योजना से बाहर हो गई है तथा 419 महिलाओं ने योजना से परित्याग कर दिया है।

-गौतम अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बैतूल

विधायक पंडाग्रे ने किया सवा दो करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

विधानसभा क्षेत्र में बनेंगे तीन उप स्वास्थ्य केन्द्र, सड़कों का भी होगा निर्माण

बैतूल। आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 2.35 करोड लागत से निर्मित होने वाले तीन नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र एवं अटल ग्राम सुशासन पंचायत भवन का भूमिपूजन किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम ससाबड, लादी, कोठिया में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र और ग्राम अंधारिया में पंचायत भवन का निर्माण होना है। ग्राम अंधारिया में 37.49 लाख की लागत से स्वीकृत अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) एवं ग्राम ससाबड में 65 लाख रुपए लागत प्रशासनिक स्वीकृति वाले नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र बनेगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक डॉ. पंडाग्रे ने विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड?, सिंचाई परियोजना संबधित अधोसंरचना के विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विभागीय मंत्री गणों का आभार व्यक्त किया। भाजपा मीडिया प्रभारी गोपेन्द्र सिंह बघेल ने बताया कि आमला-सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के द्वारा क्षेत्र में संस्थागत स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है। इसी श्रृंखला में विधायक डॉ. पंडाग्रे के द्वारा आमला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ससाबड एवं दूरस्थ वनअंचल स्थित लादी व कोठिया में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 65- 65 लाख रुपए प्रशासनिक लगात से बनाने वाले तीन नवीन उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं ग्राम अंधरिया में 37.49 लाख की लागत से पंचायत भवन के भवन निर्माण का भूमिपूजन स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारियों एवं ग्रामीणजनों की उपस्थित में किया।

सड़कों की सौगात के लिए विधायक का तुलादान कर किया अभिनंदन

आधा दर्जन गांवों को जोडऩे वाली दो सडकों की स्वीकृति की लिए ग्रामीणों ने आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे का फलों से तुलादान और पुष्पमाला व अंगवस्त्र भेट कर अभिनंदन किया। ग्राम ससाबड़

में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में ग्रामीणों के द्वारा 3.51 करोड़ लगात वाली ससाबड़ से बल्लाचाल सड? स्वीकृति के लिए, तो वही ग्राम अँधारिया में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नंदपुर देवठान, नाहिया से पहुंचे ग्रामीणों ने 8.87 करोड़ की लागत से बनने वाली नाहिया से अंधारियां होते हुए नन्दपुर सड? की स्वीकृत के लिए विधायक डॉ. पंडाग्रे का अभिनंदन किया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष गणेश यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख, बोरदेही मंडल अध्यक्ष यशवंत यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त के आदेश के बाद भी उपलब्ध नहीं कराई जानकारी

बैतूल। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी उपलब्ध नहीं कराने का मामला सामने आया है। जिसमें आवेदक ने जानकारी मांगी थी, लेकिन उसे जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। फरवरी 2024 में सूचना के अधिकार के तहत जिले की आर्म्स शाखा से गन लाइसेंस के रिकॉर्ड की जानकारी मांगी गई थी, लेकिन अब तक यह जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। सूचना के अधिकार के तहत दायर पहली अर्जी पर कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद अपील में तीसरी पार्टी का बहाना बनाकर जानकारी देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद मामला सूचना आयुक्त के पास पहुंचा तो 26 दिसंबर 2024 को सूचना आयुक्त भोपाल ने आदेश दिया कि 5 दिनों के भीतर जानकारी उपलब्ध कराई जाए। लेकिन आदेश के एक महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी रिकॉर्ड मुहैया नहीं कराया गया। सूत्रों के अनुसार आर्म्स शाखा के अधिकारियों ने सूचना आयुक्त के आदेश के बाद से ही देवेंद्र सिंह पिता शंभू सिंह का रिकॉर्ड गायब कर दिया। आरोप है कि शंभू सिंह चंबल संभाग का निवासी है और उसने 2007 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैतूल जिले में गन लाइसेंस बनवाया था।

रिकॉर्ड गायब, नवीनीकरण होता रहा -सूचना आयुक्त के आदेश के बाद आर्म्स शाखा में हड़कंप मच गया। 2006 के बाद से रिकॉर्ड खोजने के लिए कर्मचारियों को लगाया गया, लेकिन रिकॉर्ड नहीं मिला। सवाल उठता है कि जब रिकॉर्ड गायब है तो लाइसेंस का नवीनीकरण कैसे होता रहा ? यह सीधे तौर पर रिकॉर्ड के गुम होने और गन लाइसेंस धारक से मिलीभगत का मामला प्रतीत होता है। इतना बड़ा मामला सामने आने के बावजूद अब तक किसी अधिकारी या कर्मचारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, केवल दिखाने के लिए क्लर्क को नोटिस जारी किया गया है, जबकि आरोप है कि इन्हीं क्लर्कों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाइसेंस जारी किया और बाद में रिकॉर्ड भी गायब कर दिया।

दुबई में अटलांटिक ग्रुप की चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे राजा साहू

बैतूल। प्रतिष्ठित टिंबर व्यवसायी राजा साहू एग्रीकल्चर इंप्लीमेंट की जानी-मानी कंपनी अटलांटिक ग्रुप, राजकोट के रोटो किंग कृषि उपकरण की उत्कर्ष बिक्री के सिलसिले में दुबई रवाना हुए। दुबई में आयोजित चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस मीटिंग में राजा साहू अटलांटिक ग्रुप के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेंगे। राजा साहू की इस उपलब्धि पर उनके सभी इष्ट मित्रों, परिवारजनों और व्यावसायिक जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस चार दिवसीय सम्मेलन में कृषि उपकरणों के नए आयामों और वैश्विक विस्तार की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। उनकी इस सफलता से बैतूल के अन्य व्यवसायियों में भी प्रेरणा का संचार हुआ है। सभी ने राजा साहू को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पानी के लिए एक किलोमीटर पैदल चल रहे ग्रामीण

नवीन बोरवेल स्वीकृत करने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। ग्राम पंचायत रजापुर के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पुलिया और सडक़ निर्माण, पेयजल समस्या, बांध निर्माण और नल जल योजना जैसी आवश्यकताओं पर शीघ्र कार्यवाही की मांग की गई। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत रजापुर से 4 किलोमीटर दूर स्थित वनग्राम काला पखान तक जाने का रास्ता कच्चा है। बारिश के दिनों में यह रास्ता जलभराव के कारण पूरी तरह खराब हो जाता है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने इस रास्ते पर पुलिया सहित पक्की सडक़ निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि रजापुर में पानी की समस्या विकराल हो चुकी है। नल-जल योजना बंद है और हैंड पंप भी सूख चुके

हैं। पानी के लिए ग्रामीणों को 1 किलोमीटर दूर तक पैदल चलना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या और रोजगार पर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने नवीन बोरवेल खनन स्वीकृत करने की अपील की।

भूत मंगी नदी पर बांध निर्माण की मांग - ग्रामीणों ने बताया कि भूत मंगी नदी पर बांध नहीं होने के कारण किसान बारिश पर निर्भर हैं और केवल एक फसल ले पाते हैं। पानी का जल स्तर भी काफी नीचे जा चुका है। बांध निर्माण से क्षेत्र की कृषि व्यवस्था में सुधार होगा और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। ग्राम अजबगड़ के ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव को नल-जल योजना से नहीं जोड़ा गया है। पाइपलाइन नहीं होने के कारण उन्हें पानी सर पर ढोना पड़ता है। ग्रामीणों ने मांग की कि अजबगड़ को भी इस योजना में जोड़ा जाए। इस अवसर पर संभागीय प्रवक्ता हेमंत पगारिया, युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव सरफराज खान उपस्थित थे। ज्ञापन देने वालों में सरपंच श्रीमती पूनम दिनेश आजाद, उप सरपंच रमेश भलावी, इवराज इवने सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

रोटरी क्लब नर्मदापुरम के डायलिसिस सेन्टर का लोकार्पण

नर्मदापुरम । रोटरी क्लब नर्मदापुरम द्वारा सेठा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्थापित की गई मशीन का लोकार्पण आज एक भव्य समारोह में रोटरी मंडल 3040

के मंडलाध्यक्ष श्री अनीश मलिक , पूर्व मंडलाध्यक्ष श्री नरेन्द्र जैन , डीजीएनडी श्री मुकेश साहू , इनरव्हील की चैयरपर्सन श्रीमती मीनाक्षी शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ । सदस्य मनीष गुप्ता द्वारा रोटरी के चतुर्विद मंत्र का वाचन किया गया ।इस अवसर पर अपने उद्धबोधन में मंडलाध्यक्ष अनीश मलिक ने कहा कि नर्मदापुरम जैसे छोटे शहर में रोटरी क्लब द्वारा रियायती दर पर डायलिसिस की सुविधा एक सच्ची जनसेवा की भावना की मिसाल है । पूर्व मंडलाध्यक्ष श्री नरेन्द्र जैन एवम डीजीएनडी मुकेश साहू ने क्लब द्वारा किये गए इस कार्य के लिए साधुबाद दिया । सहायक मंडलाध्यक्ष सत्यम अग्रवाल द्वारा रोटरी क्लब के साथ मिलकर किये इस कार्य के लिए डॉ. अतुल सेठा को साधुबाद दिया। डॉ.अतुल सेठा ने अपने उद्बोधन में रोटरी क्लब के साथ मिलकर आगे भी बड़े जनसेवा के कार्य में अपने सहयोग का आश्वासन दिया ।क्लब अध्यक्ष शील सोनी द्वारा सभी अतिथियो का स्वागत करते हुए कहा कि आगे भी क्लब हमेशा समाज सेवा के कार्यो लिए तत्पर रहेगा । कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र गोयल द्वारा किया गया ।क्लब सचिव समीर हर्णे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया ।क्लब के सभी सदस्यो द्वारा इस कार्य में विशेष सहयोग के लिए श्री अम्बर सेठा जी की सराहना की ।अंत में सभी अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेंट किये गए ।कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे शहर के गणमान्य श्री राकेश फौजदार जी , श्री पीयूष शर्मा जी , एसडीओपी श्री पराग सैनी जी, डॉ. सौम्य रघुवंशी का विशेष आभार व्यक्त किया गया।आज ही हॉस्पिटल परिसर में रोटरी क्लब द्वारा निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया जिसमें 35 मरीजो का परीक्षण कर निशुल्क दवाइया दी गयी। क्लब सचिव समीर हर्णे , सदस्य राजीव जैन , मनीष गुप्ता , आशीष अग्रवाल , आशीष गुप्ता, सुलभ अग्रवाल ,आनंद चौधरी , नरेंद्र गोयल , विकास अग्रवाल , इनरव्हील अध्यक्षा सुनीता अग्रवाल सहित समस्त सदस्या ,इटारसी रोटरी क्लब से आये विवेक चांडक , ललित अग्रवाल तथा अन्य सदस्य एवं लॉयन्स क्लब से डांगीजी एवम हंसराय जी उपस्थित रहे ।

नपा की जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग कर बगीचे का साम्राज्य ही हिला डाला भाजपाईयों ने..!

संजीव डे राय,नर्मदापुरम। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पूर्व पार्षद पंकज पांडे, भाजपाई नेता हंस राय ने नगरपालिका स्वामित्व की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध काम्प्लेक्स, शैक्षणिक संस्थान हटाने के लिए सामूहिक रूप से नपाध्यक्ष को नगरपालिका की भूमि पर बने इस अतिक्रमण को हटाने के लिए पत्र दिया है। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल की अगुवाई में सौंपे गए पत्र में लिखा गया है। नगरपालिका स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 43 प्लाट नं 15/1 रकबा 59400 वर्ग फुट पर कतिपय तत्वों द्वारा पक्का अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा है। पत्र में यह भी लिखा गया है अतिक्रमण को जिला प्रशासन द्वारा प्रमाणित किया जा चुका है। गौरतलब रहे मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि नगरपालिका के नाम सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज इस भूमि पर न केवल नर्मदा शिक्षा समिति प्रबंधक द्वारा पट्टे की मांग गई बल्कि

म्युनिसिपल मयहाता वाली इस भूमि का विधिवत नामांतरण करने के लिए संस्था प्रबंधक ने नजूल विभाग को रजिस्टर्ड पत्र (जाली दस्तावेज) प्रस्तुत कर अधिकारी पर नामांतरण का दबाव बनाया था, जिसे खारिज करते हुए तत्कालीन नजूल अधिकारी आर एल भम्मानी ने इस रजिस्टर्ड पत्र की प्रामाणिकता को लिए रजिस्टार को पत्र लिखकर उसकी सच्चाई से अवगत कराने को पत्र लिखा था। जिसकी सच्चाई आज तक सामने नहीं आई, अतिक्रमण कर्ता जो न केवल रसूखदार है बल्कि विधायक के रिश्तेदार है, पहली बार जनहित में भाजपा के जिम्मेदारों ने नपाध्यक्ष से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग कर विधानसभा क्षेत्र में मानों बगीचे के साम्राज्य की चूल हिला डाली। भाजपाईयों के इक्कठे होकर शिकायत करने से विधायक परिवार का यहां पहली बार विश्वास डगमगाता दिखाई दिया। विरोधीयों की एक जुटता से बगीचा परिवार घबराए सा दिखाई दिया, मुख्य नगरपालिका अधिकारी से चल रहे मनमुटाव, उनके स्थानान्तरण की कर रहे मांग के बावजूद नपाध्यक्ष के वार्ड में बने नाले, बन रही सड़क का मौका मुआयना के जरिए उन्हें साधने की कोशिश की जाने लगी। नगरपालिका स्वामित्व की भूमि पर अवैध काम्प्लेक्स और शैक्षणिक संस्था हटाने की बात पर लोगों को कलेक्टर रहे फैज अहमद किदवई के कार्यकाल की याद ताजा हो आई। उल्लेखनीय होगा नगरपालिका की भूमि पर अतिक्रमण करने वाले रसूखदार परिवार ने गुप्ता ग्राउंड स्थित आफीसर्स क्लब के पीछे अतिक्रमण कर एक बड़े रकबे पर शादी विवाह और खान-पान के लिए वाटिका बनवाई थी। अतिक्रमण में बनी बगीचे की इस वाटिका को उजाड़ने में कलेक्टर फैज अहमद किदवई ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी इसमें मुखिया सहित उनके विधायक भाई प्रशासनिक पिटाई का हिस्सा तक बन गये थे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और जापान के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध हुए प्रगाढ़ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मध्यप्रदेश इस साझेदारी को सुदृढ़ करने में निभाएगा अग्रणी भूमिका
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेंसोजी मंदिर में भगवान बुद्ध के किये दर्शन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और जापान के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध तेजी से प्रगाढ़ हो रहे हैं। मध्यप्रदेश इस साझेदारी को सुदृढ़ करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। जापान की कंपनियां नई तकनीकों के साथ प्रदेश में निवेश करेंगी, जिससे प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो स्थित सेंसोजी मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन किए और जापान यात्रा के अपने अनुभव साझा किए।

जापान के निवेशकों से हुई सकारात्मक चर्चा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिये विदेश मंत्री, जापानी निवेशकों, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन ,केडानरेन संस्था के अध्यक्ष तथा कई निजी निवेशकों से सार्थक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और औद्योगिक विशेषज्ञता से मध्यप्रदेश के औद्योगिक, आईटी, हेल्थ और एजुकेशन सेक्टर में नई संभावनाएं विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के स्किल डेवलपमेंट से रोजगार के अवसर और औद्योगिक विकास में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया जा रहा है।

महात्मा बुद्ध ने संपूर्ण विश्व को अहिंसा और आध्यात्मिक जीवन से किया प्रेरित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रभाव और जापान की सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा बुद्ध ने अहिंसा और आध्यात्मिक जीवन से संपूर्ण विश्व को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौतम बुद्ध भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजनीय हैं और यह भारत के लिए गौरव का विषय है। भगवान बुद्ध के विचार एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता के सूत्रधार हैं। उन्होंने कहा कि जापान यात्रा का उद्देश्य केवल निवेश तक सीमित नहीं है बल्कि जापान की समृद्ध संस्कृति और बौद्ध धर्म के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि भारत और जापान की यह साझेदारी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध के आशीर्वाद से दोनों देश प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ेंगे।

एम्स ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नवजात श्रवण जांच को बेहतर बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, ईएनटी विभाग मध्य प्रदेश के ईएनटी विशेषज्ञों और ऑडियोलॉजिस्टों के लिए एक ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। यह पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य नवजात शिशुओं की श्रवण जांच को ब्रेनस्टेम इवोक्ड रिस्पॉन्स ऑडियोमेट्री (बीईआरए) जैसी उन्नत ऑडियोलॉजिकल परीक्षणों के माध्यम से सुगम बनाना है। यह चार दिवसीय कार्यक्रम 28 से 31 जनवरी, 2025 तक एम्स भोपाल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मध्य प्रदेश के 51 जिलों के 140 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों को नवजात शिशुओं की श्रवण जांच करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है, जिससे श्रवण हानि का समय पर निदान और प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

प्रोफेसर सिंह ने इस कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए कहा, यह प्रशिक्षण राज्य में क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो रोगी देखभाल को समुदाय के करीब लाने का काम करेगा। नवजात शिशुओं में श्रवण हानि का समय पर पता लगाना, समय पर हस्तक्षेप के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है। मुझे विश्वास है कि यह पहल मध्य प्रदेश में नवजात श्रवण जांच सेवाओं को शुरू करने में मदद करेगी और निदान एवं प्रबंधन में होने वाली देरी को कम करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान, लाइव प्रदर्शन, केस-आधारित चर्चा और इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र जैसे व्यापक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

प्रतिभागियों के पहले बैच ने इस कार्यक्रम की व्यावहारिक दृष्टिकोण और प्रासंगिकता की सराहना की है। ईएनटी विभाग की प्रमुख, प्रोफेसर (डॉ.) अपर्णा चव्हाण ने इस पहल की विशिष्टता पर प्रकाश डालते हुए कहा, हालांकि हमारा विभाग नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, लेकिन यह पहली बार है जब हम नवजात श्रवण जांच को लेकर इतना केंद्रित और बड़े पैमाने पर प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर (डॉ.) विकास गुप्ता ने शीघ्र निदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा, नवजात शिशुओं और बच्चों में श्रवण हानि के निदान में देरी उनके पुनर्वास को प्रभावित कर सकती है और सर री योजनाओं तक उनकी पहुँच को सीमित कर सकती है। यह कार्यक्रम डॉ. अंजन के. साहू, डॉ. गणकल्याण बेहरा, डॉ. शैला सिदाम, डॉ. उत्कल पी. मिश्रा और ऑडियोलॉजिस्ट स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट सनी खुराना, अमन यादव, निशांत और मुस्कान सहित विभाग के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

संस्कृत विवि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक सशक्तिकरण का अभिन्न अंग

- संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के विकास के लिए अंतर्विभागीय समन्वय से शीघ्र कार्य करने के दिये निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि संस्कृत विश्वविद्यालय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति ही इस यात्रा की आधारशिला है, जो स्थायी और स्थिर विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के संचालन एवं विकास की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, आयुक्त उच्च शिक्षा श्री निशांत वरवड़े सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के समुचित संचालन, नवीन पाठ्यक्रमों के विस्तार, बजट आवंटन, अधोसंरचना विकास एवं शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अंतर्विभागीय समन्वय सुनिश्चित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने छात्रों को व्याकरण, साहित्य, वेद एवं ज्योतिष के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वित्त एवं उच्च शिक्षा विभाग आपसी समन्वय से शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करें ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि पाणिनि संस्थान अंतर्गत रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए 40 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है। उन्होंने संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा के पाठ्यक्रमों के संचालन, छात्रों के लिए आवास एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था और शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के लिए बजट आवंटन व प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय रीवा सांस्कृतिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण केंद्र है। विभिन्न विभागों के समेकित प्रयासों से इसे एक पूर्ण विकसित और प्रभावी शिक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

एम्स को 83 डायग्नोस्टिक परीक्षणों के लिए एनएबीएल मान्यता

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से कुल 83 नैदानिक जांचों के लिए प्रत्यायन प्राप्त कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इन परीक्षणों में विभिन्न संक्रामक रोगों के निदान के लिए आवश्यक व्यापक माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण शामिल हैं। यह उपलब्धि विभाग की क्षेत्रीय वायरोलॉजी प्रयोगशाला द्वारा 2023 में प्राप्त एनएबीएल प्रत्यायन के बाद आई है, जो आईएसओ15189:2022 दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्यायित होने वाली देश की पहली वायरोलॉजी प्रयोगशाला बन गई थी। माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षणों की इतनी व्यापक श्रृंखला के लिए दोहरा प्रत्यायन भारत में एक दुर्लभ उपलब्धि है और यह एम्स भोपाल की नैदानिक सेवाओं में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रोफेसर सिंह ने इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए कहा, नैदानिक परीक्षणों के लिए एनएबीएल प्रत्यायन हमारे सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की गुणवत्ता और सटीकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए की गई अथक मेहनत का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल हमारी नैदानिक सेवाओं में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और रोगियों के विश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि संक्रामक रोगों के सटीक और समय पर निदान में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हर्षित पाटनकर एफएमजी परीक्षा में 207 अंक हासिल कर बने डॉक्टर

बैतूल। डॉक्टर बनने का सपना देख रहे बैतूल के हर्षित कुमार पाटनकर ने एफएमजी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने 12 जनवरी को आयोजित परीक्षा में 300 में से 207 अंक प्राप्त किए हैं। हर्षित कुमार पाटनकर, सुधाकर पाटनकर और श्रीमती रेखा पाटनकर के पुत्र हैं। उन्होंने रूस के ऑरेनबर्ग स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से वर्ष 2018-2024 के बैच में मेडिकल स्नातक की उपाधि प्राप्त की। हर्षित कुमार पाटनकर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और मार्गदर्शकों को दिया, जिन्होंने कठिन समय में उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने एफएमजी परीक्षा की तैयारी के दौरान प्रतिदिन 10-12 घंटे अध्ययन किया, ऑनलाइन कोचिंग ली और लगातार मॉक टेस्ट के माध्यम से अपनी प्रगति का आकलन किया। हर्षित कुमार पाटनकर का कहना है कि परीक्षा के परिणाम ने उनकी मेहनत और परिवार के बलिदानों को सार्थक बना दिया। यह सफलता उनके लिए सिर्फ एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके मेडिकल करियर की मजबूत नींव है। एफएमजी परीक्षा (विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट परीक्षा) उन भारतीय छात्रों के लिए अनिवार्य होती है, जिन्होंने विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की है और भारत में प्रैक्टिस करना चाहते हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारा आयोजित की जाती है, जिसमें मेडिकल ज्ञान और स्किल्स की जांच की जाती है। हर्षित कुमार पाटनकर की बहन कु. खुशबू पाटनकर राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज यूनिवर्सिटी, नागपुर से रूरूष् बायोटेक की पढ़ाई कर रही हैं।

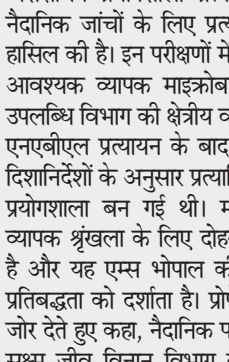

पं.गयाप्रसाद का पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित रहा : सारंग

भोपाल। पत्रकार सतीश एलिया के पूज्य पिताजी पं. गयाप्रसाद एलिया के देवलोकगमन पर बुधवार को माधवराव सप्रे संग्रहालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शोक संवेदना व्यक्त कर पं. गयाप्रसाद एलिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया गया। प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि पं. गयाप्रसाद एलिया ने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित कर दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र में जो अलख जगाई, उससे गंजबासौदा और आस-पास के क्षेत्र के सैकड़ोंघर आज रोशन हो रहे हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। श्रद्धांजलि सभा में कई पत्रकार मौजूद थे।

दुनावा में दो ज्वेलर्स दुकान सहित 3 स्थानों पर चोरी

- 15 लाख से अधिक रुपए मूल्य के जेवर ले उड़े चोर
- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोर

मुलताई। मुलताई क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां बढ़ती जा रही है बीती रात दुनावा में चोरों ने दो दुकान और एक मकान में धावा बोलकर लगभग 15 लाख रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया।चोरों का सुराग हासिल करने के लिए मौके पर डाग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, हालांकि अभी तक चोरों का कोई सुराग पुलिस को हाथ नहीं लगा है किंतु चोरों के सीसीटीवी कैमरे के वीडियो सामने आए हैं जिसमें चार हथियारबंद चोर सडक़ों पर बेखौफ घूमते दिखाई दे रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा रोड स्थित गायत्री ज्वेलर्स से चोरों ने चोरी कर लाखों का सोना चांदी की ज्वेलरी लेकर फरार हो गये। गायत्री ज्वेलर्स के संचालक गोकुल सोनी ने बताया कि वह अपने तीन बच्चे और पत्नी के साथ दुकान के ऊपर बने मकान में रहते हैं। चोर गायत्री ज्वेलर्स की दुकान के बगल वाले मकान से चढक़र ज्वेलरी की दुकान में

दुसरी मंजिल पर चढ़े वहीं से जीने से नीचे उतरकर दुकान के अंदर ताला तोडक़र घुस गए वहां से उन्होंने चांदी की चैन, कड़े ,कमरपट्टा, पायल, अंगूठी, बिछिया और मूर्तियां लगभग 10 किलो चांदी की ज्वेलरी एवं 100 ग्राम सोने की बनी ज्वेलरी जिसमें मणी ,हाय, लॉकेट, कान की बाली और लौग शामिल थे जो चोर ले गए। चोरी करने के बाद चोर फिर से छत पर चढ़े और बाजू वाले मकान से ही कूद कर नीचे उतरे जिससे बाजू वाले मकान मलिक मोहन कौशिक की नींद खुल गई तो मोहन कौशिक बाहर आए जिन पर चोरों ने पत्थर से हमला किया। उसके बाद ज्वेलर्स की दुकान के पीछे ही शांताराम कौशिक के मकान में चोरों ने घुसकर उनके घर में किराए से रह रही शिक्षिका का पर्स चोरी कर भाग गए जिसमें से पैसे निकालकर वहीं पर्स फेंक दिए। गायत्री ज्वेलर्स के संचालक को गोकुल सोनी ने बताया कि उनके यहां सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है जिसे चोर ने तीनों कैमरे के तार काट दिए थे। उसके बाद चोरों ने बस स्टैंड पर स्थित साई राम ज्वेलर्स पर धावा बोला वहा चोरों ने शटर को एक तरफ से लकड़ी के मोटे लट्ठे और लोहे की सलाख से उठा दिया और अंदर घुस गए ।

एम्स भोपाल के डॉ. अभिषेक सिंघई को एफआईसीपी फेलोशिप सम्मान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। प्रो. सिंह से प्रेरित होकर संकाय सदस्य विभन्न शोध कार्यों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सिंघई को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (एपीआई) द्वारा प्रतिष्ठित फेलोशिप ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआईसीपी) से सम्मानित किया गया। यह फेलोशिप कोलकाता में आयोजित एपीआईकॉन 2025 सम्मेलन के दौरान प्रदान की गई। एपीआई भारत के चिकित्सकों का सबसे बड़ा निकाय है। यह फेलोशिप उन डॉक्टरों को दी जाती है जिन्होंने शैक्षणिक, शोध, प्रकाशन, सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। इस वर्ष मध्य प्रदेश के केवल तीन डॉक्टरों को पुरस्कार मिला। डॉ. सिंघई की यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष मध्य प्रदेश से केवल तीन चिकित्सकों को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। उनका चयन एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद किया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने कहा, यह एम्स भोपाल के लिए गर्व का क्षण है। मैं डॉ. अभिषेक सिंघई को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। इस तरह की उपलब्धियां हमारे अकादमिक और नैदानिक प्रयासों को और मजबूत करती हैं, जिससे समाज को लाभ मिलता है। डॉ. सिंघई ने कार्यपालक निदेशक प्रो. सिंह और मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. रजनीश जोशी के निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनकी सफलता में इनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

महाकुंभ की दुखद घटना पर कांग्रेस की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण: वीडी शर्मा

- हिंदुत्व और उसकी परंपराओं पर आक्रमण कांग्रेस की पुरानी आदत
- प्रधानमंत्री व भाजपा सरकारें सनातन की ताकत को मजबूत कर रही हैं
- पीड़ितों की सहायता के लिए हरसंभव कदम उठा रही सरकार

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने बुधवार को जबलपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकौशल प्रांत के नवीन भवन के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। तत्पश्चात पूर्व मंत्री श्री अंचल सोनकर के बड़े भाई स्वर्गीय चंद्रिका प्रकाश सोनकर के निधन पर उनके निवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया एवं मंडल अध्यक्ष श्री योगेश लोखण्डे के निवास पहुंचकर उनकी माताजी से भेंटकर कुशलक्षेम जाना।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि महाकुंभ में हुई दुर्घटना दुखद है। लेकिन कांग्रेस पार्टी इस दुखद घटना पर भी राजनीति कर रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जो लोग हताहत हुए हैं, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी लगातार स्थिति व व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारें सनातन व सामाजिक समरसता की ताकत को मजबूत कर रही हैं।

सरकार ने किए पर्याप्त इंतजाम, करोड़ों लोग प्रतिदिन कर रहे स्नान - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए बहुत अच्छे और पर्याप्त इंतजाम किए हैं। लेकिन यह दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है और लोगों की आस्था से जुड़ा है। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर यहां श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसके कारण यह घटना हुई। योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली उत्तरप्रदेश सरकार ने महाकुंभ में व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। ऐसे में अगर किसी वजह से कोई अप्रिय घटना हो जाती है, तो उसे उसी रूप में देखना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों-करोड़ श्रद्धालु प्रतिदिन स्नान कर रहे हैं।

सनातन पर हमला कांग्रेस की पुरानी आदत, ये दोहरे चरित्र के लोग -भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस दुखद घटना पर भी राजनीति कर रही है, क्योंकि सनातन धर्म, हिंदुत्व और उससे जुड़ी परंपराओं को बदनाम करना, उन पर आक्रमण करना कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। अभी हाल ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महू में कहा था कि स्नान करने से क्या होता है? सनातन पर हमला करने का यही काम राहुल गांधी कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शुरू से सनातन पर आक्रमण करती रही है और हम सनातन को मानने वाले लोग हमेशा अपने-आपको बलिदान करते रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी दोहरे चरित्र के लोग हैं। ये सीधी-सीधे सनातन पर आक्रमण करने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पिताजी तो राम मंदिर आंदोलन के समय मख्यमंत्री थे, जिन्होंने निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवा दी थी। जिस तरह की बातें ये सनातन के खिलाफ करते रहे हैं, किसी अन्य धर्म के बारे में करके दिखाएं। श्री शर्मा ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों के सनातन विरोधी चेहरे को पहचानती है और वही उन्हें जवाब देगी।

अंग्रेजों की तरफ फूट डालना चाहती है कांग्रेस - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने राहुल गांधी द्वारा जातिगत जनगणना की बात को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी कुछ नहीं करने वाली। कांग्रेस में आज भी अंग्रेजों के जींस हैं और वह भी अंग्रेजों की ही तरह फूट डालो और राज करो की नीति पर चल रही है। कांग्रेस भी हमारे देश और समाज को बांटना चाहती है। जातिगत जनगणना की बात करना भी कांग्रेस का ऐसा ही पैंतरा है।

दूध में शक्कर की तरह हर जगह एडजेस्ट होने की कला है भारतीयों में: मुख्यमंत्री

- भारत और जापान के ध्वज निरंतर विकास के प्रतीक
- मुख्यमंत्री ने जापान में फैंड्स ऑफ एमपी से किया संवाद

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतवंशी अपनी परिवार परंपरा से जहां काम करते हैंवहां निष्ठा का भाव रखते हैं। यही कारण है कि वे हर जगह एडजेस्ट हो जाते हैं। एडजेस्ट भी ऐसे जैसेदूध में शक्कर मिल जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चार दिवसीय जापान यात्रा के दूसरे दिन जापान मेंभारतवंशियों 'फ्रैन्ड्स ऑफ एम.पी'को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन, ऑटो मोबाइल, टायर मेन्यूफैक्चरिंग एवं रेडिमेड गारमेंट के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर जापान में भारत के राजदूत सी.व्ही. जार्ज, एसीएस मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

एक होते हैं सगे, एक होते हैं संबंधी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम भारतवंशी ही सगे संबंधियों को समझ सकते हैं। विदेश प्रवास के दौरान भी आप लोगों को सामने देखकर ऐसा लगता है जैसे हम सगे-संबं?धियों के बीच आ गए हैं। हमारे देश में कोई भी उत्सव या समारोह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक उस समारोह में सगे- संबंधियों की उपस्थित न हो। मैं आपको म.प्र. में फरवरी में होने जा रहे औद्योगिक निवेश के भव्य समारोह जीआईएस के लिये आमंत्रित करने आया हूँ। विदेश में अनजान चेहरों के बीच जब हमवतन दिखाई देते हैं तो भारतीयता की विशेष अनुभूति होती है।

प्राणियों में सद्भाव और विश्व का कल्याण हमारी संस्कृति - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो की भावना को सर्वोपरि रखकर काम करते हैं और यही वजह है कि हिन्दुस्तानी आपको हर देश में हर काम को निष्ठा के साथ करता हुआ मिल जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने इकबाल के शेर का जिक्र भी किया कि कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी हम हर कठिनाई, हर चुनौती को मात देकर आगे बढ़ पाते हैं, यह हमारी विशेषता है।

हम आगे बढ़ना चाहते हैं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति रही है कि कभी हमने आक्रमण नहीं किया,कभी किसी की भूमि पर कब्जा नहीं किया। हम आगे बढ़ना चाहते हैं। हमें विश्व गुरू के मार्ग पर आगेचलना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयामों को छुआ है। मैं कहसकता हूँ कि नेता तो पहले भी आते जाते रहे होंगे परंतु लोगों के मन में प्रधानमंत्री श्री मोदी केआगमन और विदेशी मंच पर उनके सम्मान को देखते हुए जिस विश्वास और दृढ़ता का भाव पैदा होताहै, उस भाव से मन में गर्व की अनुभूति होती है।

मोदी के नेतृत्व में बढ़ा देश का आत्म-विश्वास - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में बसे भारतवंशियों और फ्रैंड्स ऑफ एमपी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने कोविड काल की चुनौतियों से पार पाने की सफलता का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व क्षमता की सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व से विश्व स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है और हमारी उपस्थिति सम्मानजनक बनी है, साथ ही भारतवंशियों का आत्म-विश्वास भी बढ़ गया है।

घर वापसी करेंगे धर्मांतरित परिवार

झल्लार थाने के भैंसाघाट में धर्मांतरण के मामले का किया खुलासा, दो को भिजवाया जेल

बैतूल। धर्मांतरण के खिलाफ हमेशा सक्रिय रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर की वजह से धर्मांतरण के दो मामलों का खुलासा हुआ है और जिन्होंने धर्मांतरण किया था, उन्होंने अपने मूल सनातन धर्म में वापसी के लिए सहमति भी जताई है। बैतूल जिले में सक्रिय ईसाई मिशनरी द्वारा कराए जा रहे धर्मांतरण को लेकर भाजपा नेता राजा ठाकुर ने चिंता जाहिर करते हुए इन मिशनरी और इसमें कार्यरत लोगों की जांच पड़ताल विस्तृत रूप से कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जिन लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में धर्मांतरण किया है, उन्हें चिन्हित भी किया जाना चाहिए, जिससे इस धर्मांतरण के चक्रव्यूह को तोड़ा जा सकें। उन्होंने बताया कि ग्राम झल्लार के भैंसाघाट में हमलापुर निवासी सायबू पिता गोमा ठाकरे, बैतूलबाजार निवासी रवि पिता आनंदराव तांडिलकर ग्राम में लगातार लोगों से संपर्क कर इसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन दे रहे थे। वे चिक्कू तांडिलकर के यहां पर प्रार्थना सभा आयोजित कर गरीब आदिवासियों को बुलाकर उन्हें हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्ति और फोटो नदी में विसर्जित करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। जब इस संबंध में स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक राजा ठाकुर को 22 जनवरी को सूचना मिली, तो उन्होंने इसकी जानकारी झल्लार थाने को दिलवाई और इसके बाद आरोपी सायबू और रवि को झल्लार थाने लाया गया, जहां उनके खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के सेक्शन 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया और न्यायालय में पेश किया गया। यहां पर एकता मंज के संजय तिवारी द्वारा जमानत पर आपत्ति लगाने पर इन्हें जेल भेजा गया।

॥ मंदिरम् ॥

24

भोरमदेव मंदिर, छत्तीसगढ़

भोरमदेव मंदिर भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के कवर्धा में भगवान शिव को समर्पित हिंदू मंदिरों का एक परिसर है। भोरमदेव मंदिर, जिसे छत्तीसगढ़ का खजुराहो भी कहा जाता है, भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन हिंदू मंदिर है जो नागर शैली में चट्टानी पत्थरों पर उकेरा गया है। यह मंदिर 7वीं और 11वीं शताब्दी ईस्वी के बीच बनाया गया था और यह पर्वत श्रृंखलाओं के बीच खूबसूरती से स्थित है। भोरमदेव मंदिर का निर्माण नाग वंश के राजा रामचंद्र ने करवाया था। मंदिर में शिव लिंग को खूबसूरती से उकेरा गया है और इसकी कलात्मकता आगंतुकों को आकर्षित करती है। भोरमदेव मंदिर कोणार्क के सूर्यमंदिर और खजुराहो मंदिर जैसा दिखता है।

मौनी अमावस्या पर नर्मदा-क्षिप्रा में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हुआ स्नान, घाट पर लोगों ने किया कथा, पूजन

उज्जैन (नप्र)। माघ मास की मौनी अमावस्या पर बुधवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु जीवनदायिनी मां नर्मदा और मां शिप्रा में स्नान करने पहुंच रहे हैं। सुबह 4 बजे से ही ब्रह्म मुहूर्त में स्नान का सिलसिला शुरू हुआ। आज महाकुंभ का दूसरा शाही स्नान होने से भी स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। लोग घाट पर कथा, पूजन-पाठ भी करवा रहे हैं। उज्जैन में शिप्रा नदी के राम घाट में श्रद्धालु बड़ी संख्या में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। इस दौरान कुछ भक्त सोमती कुंड में भी स्नान कर रहे हैं। भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इधर जबलपुर, नर्मदापुरम और सीहोर में श्रद्धालुओं ने नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। नर्मदा के घाटों पर हर-हर नर्मदे के जयकारे गूंज रहे हैं। जबलपुर के ग्वारी घाट और जिलहरी घाट में स्नान के लिए श्रद्धालु की भीड़ उमड़ी है।

प्रयागराज में भीड़ के चलते शिप्रा में लगा रहे डुबकी: शिप्रा नदी पर डुबकी लगाने आए श्रद्धालुओं का कहना है कि, प्रयागराज में भीड़ होने के चलते शिप्रा नदी में डुबकी लगाकर पुण्य कमा रहे है। मौनी अमावस्या पर अन्नदान, वस्त्रदान का भी विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पितरों के निमित्त धूप-दीप जलाना, तर्पण और पिंड दान करना चाहिए। इसके साथ ही वस्त्रदान, अन्नदान और पात्र दान का संकल्प सुख-शांति के साथ आर्थिक समृद्धि की प्राप्ति होती है।

सीहोर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब: इधर, सीहोर में मौनी अमावस्या के पर्व पर नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। सुबह 4 बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था, जो दिन चढ़ने के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र के आंवली घाट, नीलकंठ और बुधनी घाट समेत कई स्थानों पर हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नर्मदापुरम में कई जिलों से पहुंचें लोग: अमावस्या पर नर्मदा स्नान करने नर्मदापुरम के अलावा हरदा, इटारसी, बैतूल, भोपाल, विदिशा, बीना, छिंदवाड़ा सहित अन्य शहरों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष स्नान करने पहुंचे थे। रेलवे स्टेशन पर स्नान करने आने और लौटने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रही। जिले के आंवलीघाट, सांडिया, बाबरी घाट, खोकसर, बांद्राभान में भी श्रद्धालुओं द्वारा नर्मदा स्नान हुआ।

जबलपुर घाट पर लाखों श्रद्धालु पहुंचे

जबलपुर में नर्मदा तटों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। ब्रह्म मुहूर्त से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नर्मदा तट गौरी घाट पहुंचकर स्नान किया। नर्मदा के स्नान का सिलसिला लगातार जारी है। पंडित चंद्रभूषण उपाध्याय ने बताया कि मौनी अमावस्या पर मोन रह के पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाने का महत्व बताया गया है। इस दिन ऐसा करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही पितरों के मोक्ष के निमित्त मौनी अमावस्या पर तर्पण भी किया जाता है। इससे पितृ दोष दूर होता है।

सिवनी मालवा में घाटों पर दिनभर चलेगा पूजन-पाठ का सिलसिला: सिवनी मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध आवली घाट, बाबरी घाट और भिलाड़िया घाट समेत सभी घाटों पर तड़के से ही भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

करोड़पति कॉन्स्टेबल का पार्टनर शरद भी रिमांड पर

बोला- सौरभ ने मेरे डॉक्यूमेंट से प्रॉपर्टी खरीदी, मैं उसका बिजनेस देखता था

भोपाल (नप्र)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के करीबी दोस्त और बिजनेस पार्टनर शरद जायसवाल को लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को दोपहर सवा तीन बजे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 6 दिन की रिमांड पर दिया है। 4 फरवरी को सौरभ और चेतन के साथ शरद को भी कोर्ट में पेश किया जाएगा। शरद मंगलवार को सौरभ और उसके दोस्त चेतन की गिरफ्तारी के बाद अपने वकील के साथ पहुंचा था। तब लोकायुक्त ने उसे हिरासत में ले लिया था। उसके बाद रात 8 बजे गिरफ्तार किया था। शरद ने खुद को बेकसूर बताकर सौरभ के रेस्टोरेंट, होटल का बिजनेस ही देखने की बात कही। उसने बताया कि सौरभ ने उसके दस्तावेजों को इस्तेमाल कर संपत्तियां खरीदी हैं। गौरतलब है कि मंगलवार को सौरभ और चेतन को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। सौरभ को लोकायुक्त ने 4 फरवरी तक रिमांड पर लिया है।

चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती का कैलेंडर होगा जारी : डिप्टी सीएम

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चिकित्सा शिक्षकों के प्रमोशन के लिये आवश्यक कार्यवाही की जाये और भर्ती का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों की कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उल्लेखित समस्याओं और आवश्यकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति की जाये। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेवा शर्तों और वित्तीय प्रावधानों पर गहन विमर्श किया। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, एमडी एमपीपीएचएससीएल श्री मयंक अग्रवाल, संचालक प्रोजेक्ट एवं सीईओ आयुष्मान भारत डॉ. योगेश भरसट सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टोक्यो में ब्रिजस्टोन मुख्यालय का किया दौरा

जीआईएस में किया आमंत्रित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को टोक्यो में ब्रिजस्टोन मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान ब्रिजस्टोन कॉर्पोरेशन के ग्लोबल सीईओ शुइची इशिबारी के साथ मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फरवरी 2024-25 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आमंत्रण देते हुए कहा कि ब्रिजस्टोन समूह मध्यप्रदेश में पीथमपुर में संयंत्र स्थापित कर शानदार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में यात्री वाहनों और ट्रकों के टायर उत्पादन के अलावा अन्य विविध क्षेत्रों में विस्तार की अपार संभावनाएँ है। मध्यप्रदेश में स्मार्ट और उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों पर आधारित अनुसंधान और विकास केन्द्र स्थापित किया जा सकता है।

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक सोनी बोले- पुराने कार्यकर्ता एफडी जैसे

जबलपुर में अभाविप के नए कार्यालय के उद्घाटन में हुए शामिल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी थे मौजूद

जबलपुर (नप्र)। बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी जबलपुर पहुंचे। वे यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकौशल प्रांत के नवीन कार्यालय का लोकार्पण करने आए थे। नेपियर टाउन स्थित कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, आरएसएस महाकौशल प्रांत के संघचालक प्रदीप दुबे, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि सहित संघ से जुड़े कई पदाधिकारी और भाजपा के दिग्गज नेता मौजूद रहे। आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी ने मंच से दिग्गज नेताओं को कई मंत्र दिए, और कहा कि अगर इस पर विचार करोगे तो जीवन में खुश रहोगे।

पुराने कार्यकर्ता फिक्स डिपोजिट है

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और वरिष्ठ प्रचारक ने मंच से संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक के शब्दों का जिक्र किया। उन्होंने अभाविप के नए कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि कभी भी पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा मत करो, ये बहुत कीमती हैं,और हमारा फिक्स डिपॉजिट हैं। उन्होंने कहा, ये फिक्स डिपॉजिट लगातार बढ़ता ही जा रहा है। समस्या डिपॉजिट की नहीं है। समस्या यह है कि डिपॉजिट के साथ रेट ऑफ इंट्रेस्ट भी बढ़ता जा रहा है। मंच से सुरेश सोनी ने सभी पुराने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि जितना भी फिक्स्ड डिपाजिट है, उसको बाहर निकालो।

बड़ा कार्यालय हाथी जैसा- जिसे खिलाना मुश्किल होता है: आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक ने अभाविप का नया कार्यालय बनने पर खुशी जाहिर की। लेकिन साथ ही नसीहत भी दी कि बड़ा भवन बना दिया है, अच्छी बात है, पर बड़े भवन बनाने का जहां आनंद होता है, वहीं उसे चलाने में कठिनाई भी होती है। पुराने जमाने में कहते हैं कि जब राजा साहब खुश होते थे, तो इनाम में हाथी दे देते थे। हाथी घर तो ले आते थे पर उसको खिलाने-पिलाने का काम बहुत ही कठिन होता था। इसलिए मैं कहता हूं कि बड़ा कार्यालय हाथी जैसा ही होता है। सुरेश सोनी ने कहा कि नए कार्यालय को चलाने की जिम्मेदारी पुराने कार्यकर्ताओं की होती है, नए लोग राष्ट्र भावना का प्रचार-प्रसार करते रहे, नए प्रयोग करना है, वो भी करे।

निवेश के नाम पर कारोबारी से ठगे 89 लाख रुपये

बुरहानपुर (नप्र)। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर शहर के एक मेडिकल कारोबारी से फिर 89 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठग गिरोह ने न्यू इंदिरा कालोनी निवासी मनीष नामदेव को पहले वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा और फिर निवेश से लाखों का फायदा बता कर छह बार में अलग-अलग कंपनियों के खाते में राशि डलवा ली। गत पांच जनवरी को जब ठगों द्वारा दिए एक कस्टमर केयर से लेकर अन्य मोबाइल नंबर बंद हो गए, तब व्यापारी को अपने साथ ठगी होने का पता चला।

शिकायत के आधार पर लालबाग थाना पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ ठगी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस की साइबर सेल ने ठगी गई कुछ राशि को फ्रीज कराया है, जबकि पूर्व में जमा कराई गई राशि खातों से निकाली जा चुकी है। पुलिस ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

इस तरह खातों में डलवाई राशि: पुलिस और पीड़ित मनीष के अनुसार नवंबर 2024 में अज्ञात ठग ने उन्हें ए-8 एसएमसी सेकंड फेज प्राफिट प्लान नाम के वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। इस ग्रुप में शेयर बाजार की जानकारी होती थी। कुछ सदस्यों ने शेयर से बड़ा लाभ होने की जानकारी दी। दिसंबर में मनीष को भी निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। ठगों ने 13 दिसंबर को महाराष्ट्र की आदित्य इंटरप्राइजेज के खाते में 15.10 लाख, 23 दिसंबर को मां भांडेगरनी ट्रेडर्स के खाते में 17 लाख, 26 दिसंबर को साद ग्लोबल गारमेंट प्रा.लि. के खाते में 10 लाख, दो जनवरी को अरुष कंस्ट्रक्शन एंड मटेरियल के खाते में 20 लाख और तीन जनवरी को रेणुका इंटरप्राइजेज के खाते में 10 लाख रुपये डलवाए थे। पांच जनवरी को मनीष ने लाभ-हानि का पता लगाने का प्रयास किया तो एप्लीकेशन बंद मिली। सारे फोन भी बंद मिले। जिससे उन्हें ठगी का पता चला।

पुलिस चला रही जागरूकता अभियान: नागरिकों को साइबर और ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए पुलिस काफी समय से जागरूकता अभियान चला रही है।इसमें अनजान वाट्सएप ग्रुप में नहीं जुड़ने, ठगों द्वारा बताए अनुसार निवेश नहीं करने, अनजान नंबरों से फोन करने वालों के साथ कोई जानकारी साझा नहीं करने सहित अन्य तरह की जानकारियां दी जा रही हैं।बावजूद इसके जिले में लगातार साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं।

महाकुंभ से लौट रहा व्यक्ति ट्रेन से गिरा, मौत

भोपाल में घायल हालत में बेटे को कॉल कर बोला था- ट्रैक पर पड़ा हूं...बचा लो

भोपाल (नप्र)। महाकुंभ से लौट रहे भोपाल के व्यक्ति सूखी सेवनिया रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से गिर गए। घायल हालत में उन्होंने बेटे को कॉल कर बताया कि सूखी रेलवे ट्रैक पर चलती ट्रेन से गिर गया हूं। मुझे बचा लो, परिजनों ने ट्रैक पर पहुंचकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसा मंगलवार रात का है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक कल्ला बंशकार (50) निवासी छोला मंदिर हम्माली का काम करते थे। उनके बेटे रवि बंशकार ने बताया कि शनिवार को पिता प्रयागराज में आयोजित कुंभ में जाने का बोलकर निकले थे। कुंभ में स्नान किया दो दिन वहीं रुके और तीसरे दिन मंगलवार की तड़के सुबह भोपाल के लिए रवाना हुए। ट्रेन में गेट पर बैठे थे, तभी उन्हें नींद का झोंका आ गया। इससे वे ट्रेन से गिर गए, घायल हालत में स्वयं कॉल कर जानकारी दी। उनके बताए अनुसार रेलवे ट्रैक पर पहुंचे। तब तक उनकी सांसें चल रही थीं। इलाज के दौरान मंगलवार की देर रात उनकी मौत हो गई। बुधवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। सूखी सेवनिया पुलिस हादसे की जांच में जुटी है।

20 मार्च से स्कूलों में शुरू होंगे एडमिशन

प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान, मध्यप्रदेश गान के साथ आज का कैलेंडर, पंचांग की रोज मिलेगी जानकारी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में अगले शैक्षणिक सत्र के लिए एडमिशन की प्रोसेस 20 मार्च से 31 मार्च तक चलेगी। एक अप्रेल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो जाएगा। इसके पहले हर स्कूल के कैचमेंट में रहने वाले स्टूडेंट्स को दोबारा एडमिशन के लिए संदेश देने का काम स्कूल के टीचर्स को करना होगा। स्कूल पहुंचने वाले छात्रों से कराई जाने वाली एक्टिविटीज का निर्धारण भी स्कूल शिक्षा विभाग ने कर दिया है। इसमें पढ़ाई के साथ प्रार्थना सभा पर भी फोकस किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रगान, मध्यप्रदेश गान, महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि की जानकारी देने

के साथ उस दिन का कैलेंडर और पंचांग की जानकारी देना भी अनिवार्य होगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों और हायर सेकेंडरी व हाईस्कूल के प्राचार्यों को शैक्षणिक सत्र को लेकर निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि परीक्षाएं खत्म होने के बाद कक्षा 8 से 11 तक के रिजल्ट को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जएगा। विद्यालयों में एडमिशन की प्रोसेस 20 मार्च से 31 मार्च के बीच पूरी कर ली जाए ताकि एक अप्रेल से कक्षाएं शुरू की जा सकें। 4 अप्रेल को शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक का आयोजन किया जाए और इसमें स्कूल के पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया जाए। इनके बीच अध्ययन अध्यापन की प्रस्तावित कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस दिन सांस्कृतिक एवं खेलकूद एक्टिविटीज का भी आयोजन करने के लिए कहा गया है।

फिट्जी कोचिंग सेंटर, फीस को लेकर कार्रवाई

भोपाल के 700 पैरेंट्स के रुपए फंसे, दिल्ली में पुलिस की दबिश

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर स्थित फिट्जी कोचिंग सेंटर को जिला प्रशासन ने सील कर दिया है। वहीं, दिल्ली में कोचिंग के मालिक डीके गोयल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें भी दबिश दे रही है। इसी बीच अब अफसर पेरेंट्स के रुपए वापस कराने के लिए प्रयास कर रहे हैं। भोपाल में पिछले 4 दिन से पेरेंट्स प्रदर्शन कर रहे हैं।

दूसरी ओर, कोचिंग के मालिक डीके गोयल की गिरफ्तारी को लेकर भोपाल से टीमें दिल्ली गई हैं। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने तीन विशेष टीमों का गठन किया है, जो दिल्ली में गोयल के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने

कहा कि कोचिंग सेंटर को सील करने के बाद अब फीस लौटाए जाने को लेकर रास्ता निकाल रहे हैं। ताकि, अभिभावकों को राहत मिल सके।

15 दिसंबर को दर्ज की गई थी एफआईआर: फिट्जी कोचिंग सेंटर के मालिक डीके गोयल समेत 4 लोगों पर भोपाल के एमपी नगर थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में 15 दिसंबर को एफआईआर की गई थी।। कोचिंग स्टूडेंट्स की शिकायत पर ये कार्रवाई की गई। शिकायत के मुताबिक, कोचिंग सेंटर अचानक बंद किए जाने की वजह से हर पेरेंट्स के लगभग 2 लाख रुपए फंसे हुए हैं। कुल मिलाकर यह राशि करीब 12-15 करोड़ रुपए तक पहुंचती है।

कोचिंग के खिलाफ सख्त गाइडलाइन की मांग: मंगलवार को भोपाल में फिट्जी कोचिंग सेंटर के बाहर अभिभावकों ने जमकर नारेबाजी की थी। उन्होंने मांग की थी कि कोचिंग संस्थान के मालिक डीके गोयल को जल्द गिरफ्तार किया जाए। उसका बैंक अकाउंट सीज कर अभिभावकों के सारे पैसे लौटाए जाएं। शाम को एमपी नगर एसडीएम एलके खरे और बैरागढ़ एसडीएम आदित्य जैन ने सेंटर सील कर दिया था।

भोपाल की ब्रांच में 700 स्टूडेंट्स के एडमिशन

दिल्ली की फिट्जी कोचिंग सेंटर की देशभर में कुल 72 ब्रांच हैं।

भोपाल ब्रांच में करीब 700 स्टूडेंट्स के एडमिशन हैं।

हर स्टूडेंट से 2 से 3 लाख रुपए तक फीस ली जाती है।

शिकायत के बाद कलेक्टर ने कोचिंग सेंटर का गुमास्ता रद्द कर दिया है।

पुलिस 100 से अधिक अभिभावकों के स्टेटमेंट दर्ज कर चुकी है।